● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 118, पृष्ठ : 08, सीधी, बुधवार, 04 जून 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र हक की बात, बुलंदी के साथ

विन्ध्य टाइगर

एक मंच पर फिर दिखे दोनों पवार 5

वैभव को मिलेगा आईपीएल का बड़ा अवार्ड? 6

प्रमुख राजस्व आयुक्त एवं आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालयों के पुनर्गठन की स्वीकृति

राजा भभूत सिंह की स्मृति को समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पचमढ़ी में सम्पन्न

भोपाल। राजा भभूत सिंह के शौर्य और बलिदान को समर्पित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक पचमढ़ी के राजभवन में हुई। नर्मदापुरम जिले के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए मंत्रि परिषद ने मे0 केसर मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक लि0 व्दारा क्रियान्वित कम्पोजिट लॉजिस्टिक हब पवारखेड़ा परियोजना को मे0 डी.पी.वर्ल्ड मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक प्रा0 लि0 को हस्तांतरित किये जाने का निर्णय लिया है।

मंत्रि-परिषद ने निर्णय लिया कि प्रमुख राजस्व आयुक्त एवं आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालयों का पुनर्गठन किया जाये। दोनों कार्यालयों के पुनर्गठन के फलस्वरूप एकीकृत कार्यालय का नाम कार्यालय आयुक्त भू-संसाधन प्रबंधन होगा, जिसमें एक मुख्यालय एवं एक सहायक मुख्यालय होगा। वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप अधीक्षक भू-अभिलेख एवं सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख को क्रमश: तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार में समायोजित किया गया है। इस तरह प्राप्त अतिरिक्त तहसीलदार और नायब तहसीलदार को न्यायालयीन कार्य एवं गैर न्यायालयीन कार्य जैसे प्रोटोकॉल, कानून व्यवस्था, सर्वे इत्यादि के रूप में पदस्थ किया जायेगा। न्यायालयीन कार्य के लिए पृथक तहसीलदार होने से प्रतिदिन राजस्व न्यायालय में न्यायालयीन कार्यवाही संभव होने से राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति आयेगी।

मंत्रि-परिषद ने श्रम कानूनों में प्रक्रिया का सरलीकरण एवं छोटे और मध्यम स्तर के संस्थानों और उद्योगों पर अनुपालन के बोझ को कम करने के उद्देश्य से तीन श्रम कानूनों में संशोधन की अनुमति दी है। ठेका श्रम (विनियमन और उत्सादन) अधिनियम, 1970 के अंतर्गत वर्तमान में नियोजन के लिए निर्धारित 20 ठेका श्रमिक सीमा को बढ़ाकर 50 ठेका श्रमिक किया गया है। साथ ही कारखाना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत शक्ति की सहायता से विनिर्माण प्रक्रिया चलाने वाले परिसरों में वर्तमान में निर्धारित 10 श्रमिक नियोजित होने तथा बिना शक्ति की सहायता से विनिर्माण प्रक्रिया चलाने वाले परिसरों में वर्तमान में निर्धारित 20 श्रमिक नियोजित होने की सीमा को क्रमश: शक्ति की सहायता से विनिर्माण प्रक्रिया चलाने वाले परिसरों में 20 श्रमिक तथा बिना शक्ति की सहायता से विनिर्माण चलाने वाले परिसरों में 40 श्रमिक तक बढ़ाया गया। इसी प्रकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अंतर्गत वर्तमान में मात्र लोक उपयोगी सेवाओं में हड़ताल तथा तालाबंदी के पूर्व सूचना-पत्र देने के प्रावधान के स्थान पर इसे समस्त औद्योगिक स्थापनाओं में लागू करने का प्रावधान सम्मिलित किया गया है।

माफी नहीं मांगने पर फंसे कमल हासन

मुंबई। कन्नड़ भाषा को लेकर दिए गए कमल हासन के बयान पर अब मामला बढ़ता जा रहा है। अपने बयान पर माफी न मांगना कमल हासन को महंगा साबित हुआ है। जिसका खामियाजा उनकी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' को उठाना पड़ा है। फिल्म 'ठग लाइफ' अब फिलहाल 5 जून को कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक फिल्म के कर्नाटक में रिलीज पर रोक लगा दी है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने आज कहा कि कमल हासन के कन्नड़ भाषा पर दिए गए बयान से राज्य में अशांति फैल गई है। कर्नाटक में फिल्म ठग लाइफ की रिलीज के लिए सुरक्षा की मांग करने वाले अभिनेता की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने यह टिप्पणी की और सुनवाई 10 जून तक के लिए स्थगित कर दी।

देश में विचारधारा की लड़ाई : राहुल

भोपाल। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर समझौते को लेकर राहुल गांधी ने बड़ा बयान दिया। भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस को लेकर कहा कि इन पर जरा सा दबाव पड़ता है और ये पीछे हट जाते हैं। उधर से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक इशारा किया और इन्होंने जी हुजूर... करके सीजफायर कर दिया। राहुल गांधी का ये बयान एक्स पर शेयर किया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि इतिहास गवाह है, यही बीजेपी-आरएसएस का चरित्र है, ये हमेशा झुकते हैं। भारत ने 1971 में अमेरिका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। उन्होंने कहा कि 1971 की लड़ाई में इंदिरा गांधी को जो करना था वो उन्होंने किया। कांग्रेस पार्टी सरेंडर नहीं होती है। गांधी जी, जवाहर लाल नेहरू और सरदार पटेल सरेंडर करने वाले लोग नहीं थे। ये सुपर पॉवर से लड़ने वाले लोग थे।

राहुल गांधी ने कहा कि इन दिनों देश में विचारधारा की लड़ाई चल रही है। पहली लड़ाई संविधान की है। इसमें एक तरफ कांग्रेस पार्टी है जो संविधान के साथ खड़ी हुई है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामले 4000 के पार

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या 4,000 के पार हो गई है। केरल में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले बने हुए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली में कोरोना के सबसे ज्यादा मरीज मिल रहे हैं। मंगलवार के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में 4,026 सक्रिय मामले हैं। पिछले 24 घंटों में पांच नई मौतें हुई हैं। इस साल जनवरी से अब तक देश में 37 मौतें हुई हैं।

22 मई को देश में 257 सक्रिय मरीज थे। 31 मई तक यह आंकड़ा बढ़कर 3,395 और उसके बाद 4,026 हो गया। फिलहाल केरल में 1,416 सक्रिय मामले हैं, जो देश में सबसे अधिक है। इसके बाद महाराष्ट्र में 494, गुजरात में 397 और दिल्ली में 393 मामले हैं। आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में पांच मौतें हुई हैं, इनमें केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एक-एक और महाराष्ट्र में दो मौतें दर्ज की गईं।

मुख्यमंत्री 53 करोड़ से अधिक की लागत के कार्यों का करेंगे भूमि-पूजन एवं लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 जून को उमरिया जिले के नगर पालिका परिषद पाली में आयोजित सम्मेलन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर 53 करोड़ 85 लाख की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। डॉ. यादव 14 करोड़ 71 लाख की लागत के 4 कार्यों का भूमि-पूजन और 39 करोड़ 14 लाख लागत के 22 कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

यूपी में पूर्व अग्निवीरों को पुलिस भर्ती में 20 फीसदी आरक्षण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट ने पुलिस भर्ती में अग्निवीरों को 20 फीसद आरक्षण प्रदान करने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी है। प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस, पीएसी, आरक्षी घुड़सवार और फायरमैन की सीधी भर्ती में आरक्षण दिया जाएगा। इसके लिए 20 फीसद पदों को आरक्षित करते हुए क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही, अग्निवीर के रूप में की गई सेवा अवधि को घटाते हुए अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट भी प्रदान की जाएगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा अग्निवीर योजना शुरू की गई है, जो देशभक्त और प्रेरित युवाओं को सशस्त्र बलों (भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना) में सेवा करने का अवसर देती है।

कतरिहार गांव के दर्जनो ग्रामीणों ने पूर्व सरपंच के खिलाफ फिर से की शिकायत

सरकारी जमीन का फर्जी पट्टा के सहारे जमीन हथियाने एवं कब्जा करने का आरोप , जनसुनवाई में तीसरी बार हुई शिकायत

सिंगरौली। साहब हम लोग पूर्व सरपंच और उनके बेटों के आतंक से परेशान हैं। वर्षो से काबिजकास्त जमीन को जबरन कब्जा कर ले रहे हैं। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हैं।

उक्त बातें दुधमनिया तहसील क्षेत्र के ग्राम कतरिहार निवासी संतोष कुमार नाई, शिवकुमार नाई, ददऊ गुर्जर, समयलाल सिंह, राम कैलाश, रामबली, अमरजीत, भगवान सिंह, रामपाल सिंह समेत दर्जनों ग्रामीणों ने आज दिन मंगलवार की दोपहर कलेक्ट्रेट दफ्तर पहुंच आवेदन पत्र देते हुये संयुक्त रूप से बताया। शिकायती आवेदन पत्र में ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व सरपंच रामनरेश गर्जर ने म.प्र. शासन कि करीब 200 एकड़ से अधिक भूमि का पट्टा यानी भूमि स्वामी अपने बाबा रामरूप भुतिया मॉ गोन्ही, बहन राधिक एवं अन्य परिवारजनों के नाम से करा लिया है। जिसके संबंध में 22 अप्रैल एवं 20 मई को कलेक्टर के जनसुनवाई में शिकायती आवेदन पत्र दिया गया। 20 मई को कलेक्टर के जनसुनवाई में आवेदन देकर हम सभी लोग अपने गांव आ रहे थे, तभी रामनरेश गुर्जर का छोटा भाई कमलेश गुर्जन रे रास्ता रोक कर शिवकुमार नाई एवं उनके भतीजे को गाली-गलौच देते हुये मारने के लिए दौड़ा और धमकाया कि सभी लोग जमीन छोड़ दो, नही तो सभी औरतों को विधवा बना दूंगा। किसी तरह जान बचा कर अपने-अपने घर पहुंचे। दूसरे दिन एसडीएम चितरंगी व मोरवा थाने में लिखित शिकायत की गई। लेकिन शिकायत करने के बाद पूर्व सरपंच एवं उनके परिजनों का इतना हौसला बुलंद हो गया कि जेसीबी मशीन लेकर सरकारी जमीन पर पहुंचे, जहां कई दिनों तक जमीन में बांध एवं मेढ़ बना कर कब्जा करते रहे। इस दौरान विरोध भी किया गया, जहां दबंगों ने मारने के लिए दौड़ा लिया। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि जो कई दशको से उक्त जमीन में काबिज हैं, उसमें रामनरेश गुर्जर के द्वारा जमीन खाली करने के लिए हिदायत दी जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी कहा है कि उक्त भूमि में कई दशको से काबिज कास्त कर परिवार का पालन-पोषण किया जा रहा है। जहां उक्त सरकारी भूमि में दबंगों की नजर है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि रामनरेश गुर्जर पूर्व में कई अपराधों में शामिल रहा है। उसने म.प्र. शासन की फर्जी पट्टा भी कराया है और अब लगातार जमीन खाली करने की तरह-तरह की धमकियां दे रहा है। साहब हम लोंगों की रक्षा कीजिए और फर्जी पट्टा करने वालों सख्त कार्रवाई कीजिए, वरना म.प्र. शासन की जमीन उसी तरह धनपुत्र फर्जी पट्टा का षड़यंत्र रच कर सफल होते रहेंगे।

ननि आयुक्त ने किया सेमरा बाबा के समीप बहने वाले सूर्या नाले का निरीक्षण

मानसून को दृष्टिगत रखते हुये नाले की बेहतर साफ -सफाई कराने के दिए निर्देश

सिंगरौली। मानसून सीजन के दौरान शहरी क्षेत्र के ऐसे नाले, तालाब जहां पर जल भराव की संभावना बनी रहती है, ऐसे स्थलो को चिन्हित कर ननि आयुक्त के द्वारा स्वयं निरीक्षण कर आवश्यक प्रबंध कराये जा रहे हैं। इसी क्रम में आज दिन मंगलवार को ननि आयुक्त डीके शर्मा के द्वारा सेमराबाबा के समीप बहने वाले सूर्या नाले का निरीक्षण कर नाले की बेहतर साफ -सफाई कराने के निर्देश दिए गए।

ननि आयुक्त के द्वारा प्रायः सुबह के समय नगरीय क्षेत्र के विभिन्न वार्डो का भ्रमण कर निर्माण कार्य, साफ -सफाई व्यवस्था सहित अन्य का अवलोकन किया जाता है। निगमायुक्त के द्वारा आज अपने प्रातः भ्रमण के दौरान सूर्या नाले का निरीक्षण किया गया एवं साथ में उपस्थित सफाई अमले को निर्देशित दिया गया कि नाले की बेहतर साफ -सफाई कराये, ताकि बरसात के समय नाले में जल भराव की समस्या उत्पन्न न होने पाये। साथ ही एनटीपीसी के द्वारा निर्माणाधीन पुल का भी अवलोकन किया गया एवं निर्देशित किया कि संबंधित संविदाकार के द्वारा पुल के आसपास जो राखड़ जमा कर रखा गया है, उसको तत्काल हटाने के कार्यवाही की जाये। निगमायुक्त ने नाले में उगी जलकुभी की अपने देखरेख में सफाई कराई और सफाई अमले को निर्देशित किया कि मानसून का समय एक दम नजदीक है। शहरीय क्षेत्र के सभी नाले नालियों की अभियान चलाकर साफ -सफाई कराने के साथ ही उनमें किटनाशक दवाओ का छिड़काव कराये, ताकि वर्षा के समय कही भी जल भराव की समस्या न होने पाये। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कमिश्नर आरपी बैस, सहायक यंत्री एसएन द्विवेदी, स्वच्छता निरीक्षक पवन बारोडे सहित सफाई अमला मौजूद रहा।

आयुष पाण्डेय का ज्यूडिशियल असिस्टेंट के पद पर दिल्ली कोर्ट में हुआ चयन

सिंगरौली। होनहार वीरवान होत चिकने पात यह कहावत ग्राम रतनपुरवा निवासी पाण्डेय परिवार के आयुष पाण्डेय पर सटिक बैठ रहा है। आयुष पाण्डेय ने एक बार फिर से गांव एवं जिले का नाम रोशन करते हुये परिवार को गौरवांवित किया है।

जानकारी के मुताबिक दिल्ली डिस्ट्रीक कोर्ट देलही का फाईनल रिजल्ट वर्ष 2024 का घोषित हुआ। जिसमें चितरंगी तहसील क्षेत्र के ग्राम रतनपुरवा निवासी आयुष पाण्डेय पिता आदित्य पाण्डेय ने 72वीं रैंक के साथ चयन हुआ है। आयुष को कुल 92.5 अंक मिला है। यहां बताते चले कि इसके पहले आयुष पाण्डेय का इसी वर्ष मार्च महीने में केन्द्र सरकार के वृत्त मंत्रालय अंतर्गत असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट के पद पर चयन प्रवर्तन निदेशालय नई दिल्ली में हुआ था। आयुष के इस उपलब्धि पर गुरू शीतलाधर द्विवेदी, संकठा प्रसाद पाण्डेय, सचितानंद पाण्डेय, आनेन्द्रधर पप्पू, रमाकांत पाण्डेय समेत अन्य ने हर्ष व्यक्त किया है।

छतैनी गांव में चोरों ने बनाया निशाना

55 हजार रूपये कैश एवं सोने-चॉदी के जेवरात को किया पार

सिंगरौली। बगदरा पुलिस चौकी क्षेत्र के छतैनी गांव में गत दिवस की रात अज्ञात चोरों ने एक घर में सेंधमारी कर 55 हजार रूपये कैश एवं लाखों कीमत के सोने-चॉदी के जेवरात को पार कर गये। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चारों के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 एवं 331 के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुये अज्ञात चोरो के तलाश में जुट गई।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम छतैनी निवासी शिवगंगा साहू पिता स्व. रामकरण साहू के घर के सभी सदस्य रात करीब 12:30 बजे तक जाग रहे थे। इसके बाद सो जाने के बाद आधी रात के बाद कुछ आहट मिला, तभी जागकर देखा कि आंगन के बगल के कमरे का दरवाजा खुला हुआ था और अंदर पहुंचा तो आलमारी खुली हुई थी। सामान बिखरा हुआ था और कमरे में रखी पेटी, मॉ का बैग गायब था। आलमारी से सोने-चांदी के जेवरात, मंगलसूत्र, चैन, रिंग, बिन्दी, झुमका सहित अन्य आभूषण तथा 55 हजार रूपये कैश गायब था। घटना की सूचना पुलिस चौकी बगदरा में दी गई। पुलिस मौके से पहुंच जांच पड़ताल की है। इधर पीड़ित पक्ष का कहना है कि क्षेत्र में चोरों का आतंक बढ़ गया है और पुलिस उनकी तलाश कर धर पकड़ नही करती। लिहाजा क्षेत्र में अपराधों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। फिलहाल पुलिस अज्ञात चोरों के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध कर जांच पड़ताल कर चोरों की तलाश करने की दावा कर रही है।

सासन पावर लिमिटेड में मना अन्तर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस

सिंगरौली। सासन पावर लिमिटेड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सचिन मोहापात्रा सुब्रता घोष के निर्देशन में सीएसआर विभाग ने महिला स्वास्थ्य और मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक भवन सिद्धीखुर्द में आज दिन मंगलवार को अन्तर्राष्ट्रीय महावारी स्वच्छता दिवस का आयोजन किया ।

उक्त आयोजन में 3 आंगनवाड़ियों से एक सैकड़ा से अधिक किशोरियों और महिलाओं ने हिस्सा लिया। जहां मासिक धर्म स्वच्छता और इससे जुड़े मिथकों पर जागरूकता सत्र से लाभान्वित हुई। मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास बिन्दू देवी एवं पूर्णिमा देवी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । मुख्य अतिथि बिन्दू देवी ने सासन पावर लिमिटेड के इस प्रयास की सराहना की और कार्यक्रम में शामिल किशोरियों एवं महिलाओं को मासिक धर्म की स्वच्छता के विषय में विस्तृत जानकारी दी । साथ ही सासन पावर द्वारा माहवारी स्वच्छता के क्षेत्र में परियोजना द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों की भूरि-भूरि प्रशंसा की ।

बरगवां प्राचार्य को हटाने छात्राओं ने की शिकायत

दर्जनों की संख्या में छात्र-छात्राएं कलेक्ट्रेट पहुंच प्राचार्य व प्राध्यापको तथा अतिथि विद्वानों के खिलाफ किया शिकायत

सिंगरौली। शासकीय महाविद्यालय बरगवां के दर्जनों छात्र-छात्राएं आज कलेक्ट्रोरेट पहुंच प्राचार्य के खिलाफ मोर्चा खोलते हुये प्राध्यापको एवं अतिथि विद्वानों के खिलाफ लिखित शिकायत पत्र देते हुये कार्रवाई किये जाने की मांग की है। शासकीय कॉलेज बरगवां के छात्र पंकज बैस, अंशु बैस, अंतिमा बैस, विमल बैस, ममता देवी, सरस्वती, आरती, अन्नू, रीना समेत दर्जनों छात्र-छात्राओं ने आज दिन मंगलवार को कलेक्ट्रोरेट में आयोजित जनसुनवाई में पहुंच महाविद्यालय में पदस्थ प्राचार्य का तबादला किये जाने की मांग की है। छात्र-छात्राओं का आरोप है कि महाविद्यालय में पठन-पाठन कार्य नही कराया जाता है। प्राचार्य के द्वारा कॉलेज से भगा दिया जाता है और कहते हैं कि पढ़ने-लिखने से कौन सा नौकरी पाओगे। छात्रवृत्ति फॉर्म भराने से प्राचार्य साफ इंकार कर देते हैं और कहते हैं कि तुम लोग नाम मात्र के कॉलेज आए हो, छात्रवृत्ति फॉर्म नही भरा जाएगा।

छात्रों का यह भी आरोप है कि महाविद्यालय में पेयजल की कोई व्यवस्था नही है। सड़क पार कर हैंडपंप से पानी पीना पड़ता है। जबकि प्राचार्य अपने के लिए आरो पानी मंगाते हैं और उसे अंदर रखते हैं। इसके अलावा छात्र-छात्राओं ने प्राचार्य पर भी गंभीर आरोप लगाया है। छात्रों का आरोप है कि प्राचार्य एक भी क्लास नही लेते हैं। प्राचार्य से इस बात का सवाल किया जाता है कि आप का विषय कौन पढ़ाऐगा। तब वे अपने पद का पावर दिखाते हुये धमकी देते हैं कि ज्यादा जो बोलेगा, उसकी टीसी काट दूंगा और कहीं भी नाम नही लिखा जाएगा और तुम लोगों की जिंदगी बर्बाद हो जाएगी। प्राचार्य के पावर को तुम लोग नही जानते हो। छात्रों का यह भी गंभीर आरोप है कि महाविद्यालय में जातिवाद फैलाया जा रहा है और कई अतिथि विद्वानों का फर्जी उपस्थिति दर्ज कराई जाती है।

बीमित मृतक का दुर्घटना हित लाभ नहीं दे रहा भारतीय जीवन बीमा निगम

पति की दुर्घटना मृत्यु उपरांत क्लेम के लिए दर-दर भटक रही नॉमिनी पत्नी

सिंगरौली। स्व. धर्मेंद्र कुमार दुबे निवासी ग्राम पोखरा पोस्ट पतेरी जिला सिंगरौली ने अपने जीवन काल में भारतीय जीवन बीमा निगम मंडल कार्यालय वाराणसी से पॉलिसी लिया था, जिनकी संख्या 2696 33 023 है। किंतु पॉलिसी धारक धर्मेंद्र कुमार दुबे की विगत कुछ माह पहले मोटरसाइकिल से दुर्घटना उपरांत मृत्यु हो गई थी और ऐसी स्थिति में उनकी पत्नी नॉमिनी शकुंतला दुबे द्वारा दुर्घटना का क्लेम करने पर मंडल कार्यालय वाराणसी से 511,300 रुपए की मूल राशि प्रदान कर दी गई। किंतु दुर्घटना दावा की राशि बीमा कंपनी द्वारा प्रदान करने में आनाकानी की जा रही है और अब यह कहा जा रहा है की पॉलिसी धारक की मृत्यु लापरवाही के कारण हुई है। इसलिए पॉलिसी धारक के नॉमिनी का दवा निरस्त कर दिया गया है। ऐसी स्थिति में नॉमिनी शकुंतला दुबे द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर में अपनी फरियाद की, किंतु वहां से भी वही जवाब दिया गया। जबकि पॉलिसी धारक की मृत्यु सड़क दुर्घटना से ही हुई है और बीमा धारक को क्लेम देने की व्यवस्था है फिर भी मृतक की पत्नी नॉमिनी शकुंतला को उनका हक नहीं दिया जा रहा है। भारतीय जीवन बीमा निगम मंडल कार्यालय वाराणसी व क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय कानपुर के इस गैर जिम्मेदाराना व मनमानी रवैये से पॉलिसी धारकों का भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रति विश्वास उठने लगा है। क्योंकि कोई व्यक्ति जब बीमा की पॉलसी लेता है तो उसके पीछे अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने का एकमात्र उद्देश्य रहता है, लेकिन यहां तो बीमा कंपनी मंडल कार्यालय वाराणसी द्वारा दुर्घटना दावा को झुठलाने और पीड़ित को क्लेम देने से वंचित कर रही है।

हाईवा ऑटो वाहन को टक्कर मार कर सवारियों को किया घायल

बरगवां थाना क्षेत्र के गड़ेरिया मुख्य मार्ग की घटना, एक बेटी समेत तीन की हालत नाजुक

सिंगरौली। बरगवां थाना क्षेत्र के गड़ेरिया मोड़ पर आज दिन मंगलवार की दोपहर करीब 1 बजे बेकाबू हाईवा कोल वाहन ने ऑटो वाहन को टक्कर मार दिया। जहां गुलाब मोहम्मद के अलावा तिवारी परिवार के आधा दर्जन लोग घायल हो गये। घायलों में महिला व चार बच्चे भी शामिल हैं। सभी का प्राथमिक इलाज जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर में चल रहा है। वही इन घायलों में तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। जिन्हें बीएचयू वाराणसी के लिए रिफर कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक सीमावर्ती राज्य यूपी के सोनभद्र जिला अंतर्गत रेनुसागर के ग्राम गरबंधा निवासी सूर्य प्रकाश तिवारी अपने परिवार जनों के साथ घर से वापस जेपी निगरी थर्मल पावर प्लांट ड्यूटी करने माजन मोड़ से ऑटो वाहन में सवार होकर रेलवे स्टेशन बरगवां मेमो ट्रेन पकड़ने जा रहे थे कि आज दिन मंगलवार की दोपहर करीब 1 बजे गड़ेरिया मोड़ पर बरगवां तरफ से आ रहे एक हाईवा कोल वाहन ने टक्कर मार दिया। जहां ऑटो वाहन चकनाचूर हो गया और उसमें सवार गुलाम मोहम्मद पिता रजा मोहम्मद उम्र 61 वर्ष निवासी बैढ़न, सूर्य प्रकाश तिवारी पिता गिरिजाशंकर तिवारी उम्र 45 वर्ष , प्रीति तिवारी पति सूर्य प्रकाश तिवारी उम्र 43 वर्ष, रूही तिवारी उम्र 10 वर्ष पिता रविप्रकाश तिवारी, शिक्षा तिवारी पिता सूर्य प्रकाश तिवारी उम्र 17 वर्ष, समीक्षा तिवारी पिता सूर्य प्रकाश तिवारी उम्र 15 वर्ष, शिवांस तिवारी पिता सूर्य प्रकाश तिवारी उम्र 8 वर्ष सभी निवासी गरबंधा रेनुसागर सोनभद्र के हैं। घायलों में गुलाम मोहम्मद, सूर्य प्रकाश एवं रूही की हालत नाजुक है। जिन्हें जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढ़न के चिकित्सको ने गंभीर रूप से घायलों को जबलपुर के लिए रिफर किया था, लेकिन घायलो के परिजनों ने बीएचयू वाराणसी ले गये। अन्य घायलों का इलाज जिला चिकित्सालय में चल रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बेकाबू हाईवा वाहन के चालक ने अनियंत्रित गति से वाहन चलाते हुये ऑटो को जोरदार टक्कर मार कर भाग खड़ा हुआ। इस घटना के बाद ऑटो वाहन में चीख पुकार मच गई। घटना की सूचना बरगवां पुलिस को भी दी गई और स्थानीय लोग भी मदद के लिए आगे आ गये। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पहुंच घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढ़न के लिए रवाना किया।

शिकायत के बाद भी एमपीईबी नही बदला बिजली केबिल

सिंगरौली। विद्युत सब स्टेशन बरगवां के ग्राम उज्जैनी निवासी कमलेश कुमार साहू समेत अन्य ग्रामीणों ने कलेक्टर के जनसुनवाई में शिकायत दिया कि ग्राम उज्जैनी में बिजली को पोल एवं केबिल खराब होने के कारण उपभोक्ताओं को अपना-अपना तार खींच कर काम चला रहे हैं। जो हमेशा जोखिम भरा रहता है। जबकि यहां का उपभोक्ता समय-समय पर बिजली का बिल भी जाम करते हैं, फिर भी एमपीईबी अमला समस्या का निदान नही कर रहा है। ग्रामीणों ने बिजली खम्भा एवं बिजली केबिल ठीक कराये जाने की मांग की है।

तबादलों को लेकर ऑडियो वायरल, आखिर अंदर खाने में चल क्या रहा

वायरल ऑडियो में पंकज, अजय, राकेश और बंसल का नाम आ रहा सामने, विधायक के लेटर पैड का हो रहा जिक्र

सिंगरौली। सभी सरकारों में तबादलों को लेकर सरकार पर सवाल खड़े होते रहे हैं, तो वही ट्रांसफर और पोस्टिंग पर विपक्ष तबादला उद्योग चलाने और पैसा वसूलने का जरिया बताते रहे हैं। इस बीच एक सोशल मीडिया में एक ऑडियो वायरल हो रहा है। जिसमें तबादलों को लेकर लेटर पैड और घूस लेने का जिक्र हो रहा है, ऑडियो में चार किरदार सहित विधायक का जिक्र हो रहा है। आडियो कब का है जो लोग बात कर रहे हैं। कौन हैं इस बात की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता।

बता दे कि सोशल मीडिया में इन दिनों 2:29 सेकंड का एक ऑडियो जमकर वायरल हो रहा है। ऑडियो में दो लोग आपस में बात कर रहे हैं, जबकि एक तीसरी शख्स की भी बीच-बीच में बोलना सुनाई दे रहा है। जिसमें यह स्पष्ट समझ में आ रहा है कि तबादलों को लेकर दो लोगों के बीच में बात चीत हो रही है। इस बीच दोनों आपस में बात करते हुए पंकज, अजय, राकेश और बंसल का नाम ले रहे हैं। ऑडियो में यह भी कहा जा रहा है कि विधायक से लेटर पैड मांगेंगे तो वह पक्का यही कहेंगे की घुस लिए हैं, तभी ट्रांसफर करवाने के लिए लगे हैं। इस बीच एक युवक यहां तक कहता है कि मैं लेटर पैड ले लूंगा। वही बात चीत के दौरान यह बात भी सामने आती है कि बंसल का ट्रांसफर हो चुका है। वायरल ऑडियो से यह स्पष्ट हो गया है कि इन दोनों तबादला में जमकर पैसे लिए जा रहे हैं। पैसे लेने वाले कौन लोग हैं, यह तो जांच का विषय है। ऑडियो की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता। ऑडियो को सुनने के बाद चर्चा है कि आखिर ब्यूरोक्रेसी और डेमोक्रेसी में चल क्या रहा है। चर्चा है कि बिना पैसे के अब तबादले और पोस्टिंग नहीं होते।

एक दशक से एक ही स्थान पर जमे है कर्मचारी

कलेक्ट्रेट, जिला पंचायत, नगर निगम, राजस्व विभाग सहित जनपद पंचायत में एक दर्जन से अधिक कर्मचारी ऐसे हैं जो अंगद के पांव की तरह जमे हुए हैं। मजाल क्या कि इन्हें कोई विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री टच से मस कर दें। लंबे समय से जमीन कर्मचारी जमकर अवैध वसूली कर रहे हैं। साथ ही राजनीति में भी इनका दखल रहता हैं। हालांकि कहते हैं कि इन कर्मचारियों का कोई प्रतिस्थापन नहीं है।

मंत्रियों की मांग पर ट्रांसफर की डेट बढ़ी

बता दे कि तबादलों की समय सीमा 30 मई तक निर्धारित थी, लेकिन मंत्रियों की मांग के बाद इसे बढ़ा दिया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि स्थानांतरण नीति के अंतर्गत 1 मई से 30 मई तक जो छूट दी गई थी, वह अब 10 जून तक लागू रहेगी। राज्य शासन ने समीक्षा उपरांत यह निर्णय लिया है कि अधिकारियों और कर्मचारियों को स्थानांतरण पर प्रतिबंध से छूट की अवधि कुछ और दिनों तक दी जाए, ताकि वे नियमानुसार आवेदन कर सकें। विभाग अब 10 जून तक अधिकारी-कर्मचारियों के ट्रांसफर कर सकेंगे।

भंवरसेन घाट में सोन आरती महोत्सव का हुआ आयोजन

सीधी। सतना सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मंच के अध्यक्ष डॉ. यू.बी. सिंह परिहार जलविद्/ से.नि.कार्यपालन यंत्री जल संसाधन/ गीतकार के नेतृत्व एवं अध्यक्षता में रविवार को पी.डब्लू.डी. रेस्टहाउस भंवरसेन जिला सीधी में श्रोणभद्र नद आरती महोत्सव कवि गोष्ठी व भजन संध्या का भव्य आयोजन सविधि सम्पन्न हुआ।

आध्यात्मिक आयोजन में मुख्य अतिथि डॉ. एन. पी. तिवारी जी साहित्यकार / चिकित्सक बिरला अस्पताल सतना तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मृगांक सिंह बघेल श्रोणभक्त शिकारगंज,डॉ विनोद तिवारी संगीतकार रीवा, डॉ शिव प्रसाद पाण्डेय से. नि. प्राध्यापक उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश /सचिव पाण्डेय शिक्षा समिति भमरहा जिला मैहर मध्यप्रदेश, डॉ.नागेंद्र सिंह प्रतिहार सतना,डॉ सत्यनारायण तिवारी सिंगरौली, राकेश पाण्डेय युवा समाजसेवी सगौनी भरतपुर सीधी, समरजीत वर्मा बघेली गजलकार सतना, टी. के. सिंह परिहार अध्यक्ष साहित्य प्रभा मंच वांसी जिला मैहर मध्यप्रदेश, रमेश प्रताप सिंह जाखी सतना, अनुराग मिश्रा संगीतज्ञ, राजेन्द्र तिवारी

संगीतकार मझौली सीधी, प्राचीन हनुमान मंदिर कपुरी कोथर के पुजारी हनुमान प्रसाद मिश्र,रामकथा नट वरिष्ठ साहित्यकार मैहर, महेन्द्र कुमार द्विवेदी बघवार देवेन्द्र शुक्ला कपुरी पवाई सीधी उपस्थित रहे।

श्रोणभद्र नद के पौराणिक एवं आध्यात्मिक महत्व तथा भंवरसेन की धन्य धरा में जन्मे कवि/इतिहासकार स्व. मोती लाल शर्मा की निम्न लिखित अमर पंक्तियों को मूलाधार मानते हुए दिव्य आयोजन स्थानीय संयोजक एवं जनमानस के सहयोग से पूर्ण हुआ। भंवरसेन का पावन तट यह, विंध्य धरा का प्राण। सरस्वती ने पुलकित होकर,जिसको सौंपा बाण। विशिष्टअतिथि वयोवृद्ध स्थानीय समाजसेवी सर्व श्री मृगांक सिंह बघेल जी ने भंवरसेन की महिमा व स्व. श्री मोतीलाल शर्मा तथा स्व. श्री रामदर्शन मिश्र राही जी के दिव्य सानिध्य, आध्यात्मिक स्नेह व कृतित्व को प्रणाम करते हुए, दिव्य आयोजन का स्वागत किया और इसे सतत करते रहने का विनम्र निवेदन किया। डॉ.अरुण कुमार पयासी बघेली बांधव ने अपने बीज वक्तव्य में भंवरसेन के महत्व को ग्रंथों में लिखो बातों से प्रमाणित किया।बृहद ब्रह्म पुराण के श्रोण भद्र महात्म्य शिव पार्वती प्रसंग के अध्याय आठ में लिखे श्लोकों के माध्यम से भंवर सेन की महिमा को समझाए,साथ स्व.श्री मोतीलाल शर्मा व उनके प्रातर स्मरणीय सदगुरु स्व. श्री रामदास पयासी जी के कृतित्व को भी स्मरण किया गया। डॉ. विनोद तिवारी संगीतकार रीवा ने अपने 14सदस्यीय रिदम म्यूजिकल ग्रुप के साथ उपस्थित होकर श्रोण भद्र हरिरुप आरती भजन संध्या के माध्यम से भगवद सेवा किए। श्री अनुराग मिश्रा एवं श्री राजेन्द्र तिवारी जी संगीतज्ञ द्वय मझौली सीधी ने भजन सुनाकर भगवान शिव व श्रोण भद्र हरिरुप को प्रणाम किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ यू .बी सिंह परिहार ने जल को जीवन से जोड़कर जल के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रतिपादित किए। जल संवर्धन एवं संरक्षण पर जोर देते हुए सनातन धर्म संस्कृति संरक्षणार्थ एक जुट होने का मंत्र बताया । स्थानीय संयोजक श्री अमित कुमार द्विवेदी गीतकार एवं कवि एवं श्री सज्जन शुक्ल समाज सेवी ने अपने गांव की पावन भूमि को प्रणाम कर गीत सुनाकर आभार प्रदर्शन किया।

मुख्यअतिथि डॉ एन पी तिवारी जी व अध्यक्ष डॉ.यू बी सिंह परिहार के नेतृत्व में ढोल नगाड़ों के साथ श्रोणभद्र नद की भव्य आरती सम्पन्न हुई। सनातन संस्कृति संरक्षण हेतु सभी उपस्थित सदस्यों ने बघेली बांधव द्वारा लिखित श्रोणभद्र आरती का गायन अरुण कुमार पयासी,अमित द्विवेदी, डॉ विनोद तिवारी के साथ एक स्वर में गया। आए हुए अतिथियों के भोजन भण्डारे का प्रबंध रामजी गौतम समाजसेवी ने किया । इस सु अवसर पर अवनीश शर्मा जी,पीयूष मिश्रा ,सरदार बेलौहा, शिव श्रीवास्तव, रोशन सोनी, अर्चना शुक्ला जी, ज्योति मिश्रा जी,सुश्री नीलम गुप्ता जी, सुश्री मनोभावना सिंह जी, सुश्री नेहा सिंह जी, सुश्री नाजिया बेगम जी,सुश्री प्रतिमा मिश्रा जी सुश्री ललिता पांडेय जी, लाल बहादुर सिंह, श्रीपति शर्मा, विनोद द्विवेदी, दान बहादुर सिंह बघेल उर्मिला सिंह, बाबूलाल बैस, संजय बैस, लालमणि केवट, मौसम नट, शिवराज सिंह सेंगर, जय दीप मिश्र, शिरीष कुमार द्विवेदी, इंद्रमणि द्विवेदी,छोटेलाल केवट, ऋषभ सिंह बघेल उपसरपंच, शलिल अग्निहोत्री, कैलाश सिंह, डॉ चड्ढा जी , शम्भू पाण्डेय बुढ़गौना, बसंत द्विवेदी कपुरी पवाई रामजी गौतम, रमाकांत गौतम, एड.अभिषेक शुक्ल सहित शताधिक भक्त जन शामिल हुए।

महिलाओं के कार्यस्थल पर आंतरिक समिति गठित करने के निर्देश

सीधी। कार्यस्थल में महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न अन्तर्गत आंतरिक समिति गठित करने के निर्देश दिये गये हैं। समस्त कार्यालय प्रमुखों को अपने कार्यालय में तथा जिले के विभिन्न विभाग, संगठन, उपक्रम, संस्था (शासकीय/ अशासकीय), प्राइवेट सेक्टर सोसायटी, दुकान, बैंक, सहकारी संस्थायें, शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थाए, उद्यम मनोरंजक संस्थाए, अस्पताल, स्टेडियम, खेलकूद संस्थान, निवास गृह आदि में जहां 10 या 10 से अधिक कर्मकार (कर्मचारी, अधिकारी) कार्यरत है आंतरिक समिति का गठन के निर्देश दिये गये हैं। समस्त कार्यस्थल का प्रत्येक नियोजक आंतरिक समिति के गठन करने एवं यदि कोई नियोजक उक्त अधिनियम की धारा के अन्तर्गत आंतरिक समिति का गठन करने में असफल रहता है तथा अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करता है या उनके उल्लंघन को दुष्प्रेरित करता है तो वह पचास हजार रूपये तक के जुर्माने से दण्डनीय होगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 173 आवेदकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

सीधी। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 173 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, संयुक्त कलेक्टर एसपी मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

नशा मुक्ति अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

सीधी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सहायता अधिकारी सीधी श्री मनीष कौशिक द्वारा मंगलवार दिनांक 03.06.2025 को जिला चिकित्सालय सीधी में नालसा नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाए योजना 2015 अंतर्गत विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा नालसा नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाए योजना 2015, नालसा एसिड हमले के पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 की जानकारी दी गई। साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा हेल्पलाईन नंबर 15100 के बारे में विस्तार से बताया।

चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने ने उपस्थित आमजन को बताया कि बच्चों और युवाओं पर नशे का गलत असर पड़ता है, छोटी उम्र में ही नशा करने के शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास तक रूक जाता है। उक्त शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी सीधी श्री मनीष कौशिक एवं चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा एवं आमजन उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों को नरवाई नहीं जलाने की सलाह दी गई

सीधी। सीधी जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र सीधी एवं कृषि अधिकारियों द्वारा किसानों को नरवाई नहीं जलाने तथा उससे जैविक खाद बनाने की सलाह दी गई। विकसित कृषि संकल्प अभियान में छठवें दिन पहले दल द्वारा रामपुर नैकिन विकासखंड में कपुरी, भरतपुर, बढ़गौना, दूसरे दल द्वारा सिहावल विकासखण्ड में सिहावल, महुआर, सेमरी तथा तीसरे दल द्वारा कुसमी विकासखंड में गुड्डआधर, खोखरा एवं अमगांव में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कृषि वैज्ञानिकों तथा कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले के किसानों को गेंहू तथा अन्य

नरवाई से जैविक खाद बनाना लाभदायक : कृषि वैज्ञानिक

फसलों को काटने के बाद बचे हुए अवशेष (नरवाई) नहीं जलाने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि नरवाई जलाने से एक ओर जहां खेतों में अग्नि दुर्घटना की आशंका रहती है। वहीं मिट्टी की उर्वरकता पर भी विपरीत असर पाता है। इसके साथ ही धुएँ से कार्बन डायआक्साइड की मात्रा वातावरण में जाती है जिससे वायु प्रदूषण होता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगभग 6 इंच की ऊपरी सतह पर ही होती है। इसमें खेती के लिए लाभदायक मित्र जीवाणु उपस्थित रहते हैं। नरवाई जलाने से यह नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति को नुकसान होता है। नरवाई जलाने की बजाए यदि फसल अवशेषों को एकत्रित करके जैविक खाद बनाने में उपयोग किये तो यह बहुत लाभ दायक होगा। नाडेप तथा वर्मी विधि से नरवाई से जैविक खाद आसानी से बनाई जा सकती है। इस खाद में फसलों के लिए पर्याप्त पोषक तत्व रहते हैं।

उन्होंने बताया कि इसके आलावा खेत में रोटावेटर अथवा डिस्क हैरो चलाकर भी फसल के बचे हुए भाग को मिट्टी में मिला देने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है। गेंहू की फसल के बाद नरवाई को खाद में बदलने तथा बिना जुताई किए फसलों की बुआई के लिए सुपर सीडर तथा हैप्पी सीडर का उपयोग बहुत लाभकारी है। इससे नरवाई नष्ट होने के साथ जुताई और बुवाई का खर्च और समय दोनों बचेगा। साथ ही नरवाई से खाद भी बन जाएगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत बुधवार को पहले दल द्वारा रामपुर नैकिन विकासखंड में बघवार, नैकिन, अगडाल, दूसरे दल द्वारा सिहावल विकासखंड में लौआ, पतुलखी, बहरी एवं तीसरे दल द्वारा कुसमी विकासखंड में पोंडी, लुरघुटी तथा ददरी में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

जमोड़ी में श्रमिकों के लिए विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

सीधी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में मंगलवार दिनांक 03.06.2025 को ग्राम जमोड़ी में श्री मनीष कौशिक जिला विधिक सहायता अधिकारी के द्वारा (नालसा असंगठित क्षेत्र के कामगारों/श्रमिकों के लिए विधिक सेवाएं योजना) अंतर्गत विधिक

जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में श्री कौशिक द्वारा गैर संगठित क्षेत्र के मजदूरों के सशक्तिकरण एवं श्रमिकों के कानूनी अधिकार, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को विधिक सेवाएं, नालसा (नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं एवं नशा उन्मूलन के लिए, विधिक सेवाऐं) योजना, 2015, आदिवासियों को विधिक सेवाएं, नालसा (गरीबी उन्मूलन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विधिक साक्षरता शिविर), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा श्रमिको के लिए संचालित योजनाओं तथा श्रमिकों हेतु शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने नालसा एसिड अटैक पीड़ितों के लिए विधिक सहायता योजना, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक सेवा योजना, वरिष्ठ नागरिकों को विधिक सहायता एवं शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उक्त शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा एवं आमजन उपस्थित रहे।

पूर्व सचिव बैठेंगे अनशन, आत्मदाह की दी चेतावनी

सीधी। जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पंचायत अहिरान टोला के पूर्व सचिव यज्ञनारायण तिवारी अब 10 जून 2025 को सीधी में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समीप अनशन बैठने सहित आत्मदाह करने की चेतावनी दिए हैं। उन्होंने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं जिला पंचायत सीईओ सहित तमाम विभागीय अमले को यह जानकारी दे चुके हैं, शिकायती पत्र में प्रार्थी

यज्ञनारायण तिवारी ने बताया कि मैं ग्राम अहिरान टोला थाना, तहसील रामपुर नैकिन का निवासी हूँ मैं ग्राम पंचायत सचिव पद पर सन् 1995 से 2 जनवरी 2019 तक पदस्थ था, मुझे षड्यंत्र पूर्वक बिना किसी जांच, बिना किसी प्रमाण के जनपद पंचायत के तत्कालिक मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामपुर नैकिन द्वारा निजी द्वेष वश फर्जी तरीके से प्रतिवेदन बनवाकर पद से पृथक करवा दिये थे। उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार 90 दिन होने पर मैं विवश होकर सीधी में ही भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा के सामने आमरण अनशन पर बैठूंगा। यदि निष्पक्ष कार्यवाही नहीं हुई तो आत्मदाह भी कर लूंगा।

सांदीपनि विद्यालय में 11वी हेतु प्रवेश प्रारंभ

सीधी। शासकीय सांदीपनि कन्या विद्यालय सीधी में कक्षा 11वी हेतु प्रवेश प्रारम्भ है विद्यालय के प्राचार्य सुभाषचन्द पटेल ने जानकारी देकर बताया कि शासन के निर्देशानुसार बैठक क्षमता के आकलन के आधार पर कक्षा 11वी में रिक्तियों की पूर्ति हेतु क्रमशः निकटस्थ शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत /निवासरत विद्यार्थियों से दिनांक 10 जून तक प्रवेश फॉर्म दिया जाएगा तथा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 13 जून तक है।

घड़ियालों से गुलजार हुआ सीधी का सोन अभ्यारण

132 हुई बच्चों की संख्या, 44 साल पहले हुआ था शुरु

सीधी। जिले के सोन घड़ियाल अभ्यारण में घड़ियालों का कुनबा बढ़ने की अच्छी खबर सामने आने से विभागीय अमले में भी काफी खुशी है। सोन घड़ियाल अभ्यारण जोगदह इन दिनों घड़ियालों के बच्चों से गुलजार है। 132 घड़ियालों के पैदा होने से विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों और जिले के लोगों में खुशी की लहर है। यह पहली बार हुआ है, जब इतनी संख्या में घड़ियालों के बच्चे हुए हैं। अब सोन घड़ियाल अभ्यारण अमला उनकी देखरेख एवं सुरक्षा-व्यवस्था में जुटा हुआ है।

बताते चलें कि वर्ष 1981 में सीधी जिले के सोनवदी के जोगदहा में सोन घड़ियाल अभ्यारण बनाया गया, जहां मगर व घड़ियालों को लाकर रखा गया। शुरुआती दौर के परिश्रम के बाद विभाग को सफलता मिलती रही, लेकिन बाद में घड़ियालों की संख्या बढ़ाना और उन्हें बचाना एक चुनौती सा हो गया। वर्ष 2021 में दो नर घड़ियालों की मौत हो गई। इसके बाद यहां नर घड़ियालों की संख्या ना के बराबर रही। बाद में चंबल से एक नर घड़ियाल सीधी लाया गया, इसके बाद पांच मादा घड़ियालों से 132 बच्चे पैदा हुए हैं। घड़ियाल विलुप्त होती प्रजाति है, जिसे बड़ी मुश्किल से बचाया जाता है। अनुपात में जन्म के बाद कुल संख्या में दो प्रतिशत ही घड़ियाल के बच्चे बच पाते हैं। जहां हेचरी की सुविधा है, वहां उनके बचने

की संख्या ज्यादा होती है। चंबल सेंटर में यह सुविधा उपलब्ध है। अंडे से बाहर आने के बाद बच्चों को हैचरी में रखा जाता है और फिर उन्हें बड़े होने पर छोड़ दिया जाता है।

सीधी जिले में बने सोन घड़ियाल अभ्यारण में अभी तक हैचरी की सुविधा नहीं हो पाई है, जिसके चलते घड़ियालों के बच्चों को बचाना चुनौती रहता है। आगामी समय में यहां भी हेचरी की सुविधा उपलब्ध होगी और घड़ियालों से होने वाले बच्चों को बचाने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा।

सोन घड़ियाल अभ्यारण में घड़ियालों की संख्या 38 है तो वहीं मगरमच्छ की संख्या 74 बताई गई है। स्कीमर की संख्या 41 है, इसके अलावा 49 प्रकार के पक्षी हैं, जिनकी संख्या 4015 होना बताया गया है। इसमें खास बात यह है कि घड़ियालों की संख्या 38 है, जो बच्चों को छोड़कर है। कारण यह कि अभी घड़ियालों के बच्चों में नर और मादा को पहचानना काफी कठिन होता है। कई माह बाद ही इन्हें नर व मादा के रूप में पहचाना जा सकता है। ऐसे में अभी तक जिन नर और मादा घड़ियालों की पहचान हुई है, उनकी संख्या 38 बताई गई है।

सोन घड़ियाल अभ्यारण से एक नर घड़ियाल पानी के बहाव में बिहार चला गया था, जिसके शरीर में चिप लगी होने के कारण उसकी लोकेशन भी मिली। विभाग ने जब बिहार सरकार से बात की तो साफ तौर पर घड़ियाल को वापस देने के लिए मना कर दिया गया और स्थिति यह है कि काफी प्रयास के बावजूद आज भी सीधी का नर घड़ियाल बिहार में है। इसे वापस नहीं लाया जा सका और अब संभावना भी ना के बराबर है। इसके लिए मध्य प्रदेश सरकार ने बिहार सरकार से भी बात की, इसके बाद भी बात नहीं बनी और स्थिति वही पुरानी बनी हुई है।

सोन घड़ियाल अभ्यारण के एसडीओ राजीव मिश्रा ने बताया कि 5 मादा घड़ियालों से 132 बच्चे पैदा हुए हैं, यह विभाग के लिए खुशी की बात है, उनकी सुरक्षा के लिए प्रयास किए जा रहे हैं एवं आने वाले दिनों में और भी नर घड़ियाल चंबल लाए जाएंगे। इससे यहां घड़ियालों की संख्या में और वृद्धि हो सके। सोन घड़ियाल अभ्यारण में इन दिनों घड़ियाल व मगर की संख्या पर्याप्त है। प्रयास रहेगा कि आगामी दिनों में यहां हैचरी की सुविधा उपलब्ध हो और घड़ियालों से जन्म लेने वाले बच्चों को सुरक्षित हेचरी में रख करके बड़ा किया जाए। ऐसा होने से सोन घड़ियाल अभ्यारण में घड़ियालों की संख्या काफी बढ़ जाएगी।

रविवार को बंद रहेंगी जिले की सर्राफा दुकानें

सीधी। स्वर्णकार समाज के जिलाध्यक्ष हल्के सोनी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि जिला मुख्यालय सहित 20 किलोमीटर की दूरी तक आने वाली सभी सर्राफा दुकानें प्रत्येक रविवार को बंद रहेंगी। जिलाध्यक्ष श्री सोनी ने कहा कि सर्राफा मंडल द्वारा एक बैठक बुलाकर सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया की सीधी शहर एवं शहर के 20 किलोमीटर के आसपास की सभी दुकान प्रत्येक रविवार को अपनी-अपनी प्रतिष्ठान नहीं खोलने का निर्णय लिया गया है। जिलाध्यक्ष ने सभी सर्राफा व्यापारियों से आग्रह किया है कि अपनी-अपनी प्रतिष्ठान बंद रखकर सहयोग करें, यदि सभी व्यापारी अपनी अपनी प्रतिष्ठान बंद रखेंगे तो किसी का नुकसान नहीं होगा एवं एक दिन अपने परिवार को भरपूर समय दे सकेंगे।

संपादकीय

ट्रंप के फैसलों से यूएस का हो रहा घाटा

सभी विदेशी स्टूडेंट्स के वीजा इंटरव्यू रोकने और उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच करने का फैसला लेकर ट्रंप प्रशासन ने विश्वविद्यालयों के साथ अपनी लड़ाई और बढ़ा दी है। ट्रंप चाहते हैं कि दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटीज में उनके मन मुताबिक फैसले लिए जाएं, लेकिन इसका विपरीत असर अमेरिका की छवि पर पड़ रहा है।अमेरिकी विश्वविद्यालयों की स्वायत्ता और उनमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ट्रंप का रुख अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से रूखा रहा है। वीजा पर ताजा कदम को उससे अलग करके नहीं देखा जा सकता। ट्रंप हर तरह से यूनिवर्सिटीज पर दबाव बनाना चाहते हैं। कार्यकाल की शुरुआत में ही उन्होंने भारतीय समेत कई विदेशी स्टूडेंट्स का वीजा इस आधार पर रद्द कर दिया था कि वे कानून विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। इसके बाद हार्वर्ड से जुड़ा विवाद सामने आया।ट्रंप अपने हर फैसले को 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' की शक्ल दे देते हैं। विदेशी स्टूडेंट्स पर रोक को इस तरह प्रचारित किया जा रहा है, मानो अमेरिकी विश्वविद्यालयों की सारी सीटें बाहर के छात्रों से ही भर जाती थीं और स्थानीय लोगों को मौका नहीं मिल पाता था। हालांकि असल बात यह है कि विदेशी स्टूडेंट्स बिना किसी सरकारी मदद के पढ़ते हैं और ज्यादा फीस देते हैं। उन पर रोक से अमेरिकी यूनिवर्सिटीज को आर्थिक झटका लगेगा। हार्वर्ड पर तो पहले ही सरकारी अनुदान में कटौती की मार पड़ी है। ग्रेट यानी महान होने का मतलब केवल आर्थिक और सैन्य ताकत बनना नहीं होता। महान बनने का मतलब यह भी है कि वहां सभी के लिए बराबरी के मौके हों और अभी तक अमेरिका की यही पहचान रही है । विदेशी स्टूडेंट्स सबसे ज्यादा अमेरिका जाते हैं। 2023-24 सेशन में, अमेरिका में पूरी दुनिया से सबसे ज्यादा 11.26 लाख स्टूडेंट्स पहुंचे थे । केवल भारत से ही 3.3 लाख स्टूडेंट्स गए थे। लेकिन, ताजा हालात में ये सभी आशंकाओं से भरे हुए हैं।

यह थीम माता-पिता के रूप में पालन-पोषण को एक महत्वपूर्ण कौशल के रूप में मान्यता देती है और हमें माता-पिता के रूप में बच्चों के विकास और कल्याण के लिए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। माता-पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं।

माता-पिता और संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंतता दें

(ललित गर्ग)

माता-पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा माता-पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये यह दिवस मनाया जाता है। विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें परिवारों के विकास में माता-पिता और उनके जैसे लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करने का अवसर प्रदान करता है। 2025 के लिए थीम है 'माता-पिता का पालन-पोषण'। यह थीम माता-पिता के रूप में पालन-पोषण को एक महत्वपूर्ण कौशल के रूप में मान्यता देती है और हमें माता-पिता के रूप में बच्चों के विकास और कल्याण के लिए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं।

माता-पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा माता-पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये यह दिवस मनाया जाता है। भारत में जहां कभी संतानें पिता के चेहरे में भगवान और मां के चरणों में स्वर्ग देखती थीं, आज उसी देश में संतानों के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग माता-पिता की स्थिति दयनीय होकर रह गई है। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। विचारणीय है कि अगर आज हम माता-पिता का अपमान करते हैं, तो कल हमें भी अपमान सहना होगा। समाज का एक सच यह है कि जो आज जवान है उसे कल

माता-पिता भी होना होगा और इस सच से कोई नहीं बच सकता। हमें समझना चाहिए कि माता-पिता परिवार एवं समाज की अमूल्य विरासत होते हैं। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए 2007 में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक संसद में पारित किया गया है। इसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन सब के बावजूद हमें अखबारों और समाचारों की सुर्खियों में माता-पिता की हत्या, लूटमार, उत्पीड़न एवं उपेक्षा की घटनाएं देखने को मिल ही जाती है। विश्व में इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने माता-पिता के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। हमारा भारत तो माता-पिता को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज के माता-पिता समाज-परिवार से कटे रहते हैं और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझे जाने के कारण हमारे माता-पिता दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। माता-पिता को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार किस सीमा तक, कितना, किस रूप में और कितनी बार होता है तथा इसके पीछे कारण क्या हैं, इस पर हुए शोध में पता चला कि 82 प्रतिशत पीड़ित बुजुर्ग अपने परिवार के सम्मान के चलते इसकी शिकायत नहीं करते। शोध के निष्कर्षों के अनुसार अभिभावकों पर होने वाले अत्याचार एवं दुर्व्यवहार की स्थितियां चिन्तनीय है। जिनमें परिजनों एवं विशेषतः बच्चों के हाथों बुजुर्ग अपमान (56 प्रतिशत), गाली-गलौच (49 प्रतिशत), उपेक्षा (33 प्रतिशत), आर्थिक शोषण (22 प्रतिशत) और शारीरिक उत्पीडन् का शिकार (12 प्रतिशत) होते हैं और ऐसा करने वालों में बहुओं (34 प्रतिशत) की अपेक्षा बेटों (52 प्रतिशत) की संख्या अधिक है जबकि पिछले सर्वेक्षणों में बहुओं की संख्या अधिक पाई गयी है। प्रौद्योगिकी ने भी बुजुर्गों की उपेक्षा और उनसे दुर्व्यवहार में अपना योगदान दिया है और संतानें अपने माता-पिता की अपेक्षा मोबाइल फोन और कम्प्यूटरों को अधिक तवज्जो देती हैं। इसका बुजुर्गों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अभिभावकों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अभिभावकों के लिये भी यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

माता पिता ही है जो हमें सच्चे दिल से प्यार करते हैं बाकी इस दुनिया में सब नाते रिश्तेदार झुठे होते हैं। पता नहीं क्यों हमे हमारे पिता इतना प्यार करते हैं, दुनिया के बैंक खाली हो जाते हैं मगर पिता की जेब हमेशा हमारे लिए भरी रहती हैं। पता नहीं जरूरत के समय न होते हुए उनके पास अपने बच्चों के लिये कहां से पैसे आ जाते हैं। भगवान के रूप में माता-पिता हमें एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो।

गंभीर संकट का संकेत है ग्लोबल वार्मिंग

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

मौसम विज्ञानियों ने पहले ही चेता दिया था कि औद्योगिक क्रान्ति और उसके चलते हमारी जीवन शैली में बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग के हालात बनते जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सबसे प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग रहा है।

जलवायु परिवर्तन या यों कहे कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मानव अस्तित्व पर आ रहे संकट की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 2 जून को समूचे विश्व में ग्लोबल हीट एक्शन डे मनाया जाने लगा है। ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणाम तेजी से हमारे सामने आने लगे हैं। लाख प्रयासों, शिखर सम्मेलनों और संकल्पों के बावजूद पृथ्वी पर तापमान की बढ़ती दर को रोकने में हम पूरी तरह से विफल रहे हैं। 1850 से अब तक के रेकार्ड के अनुसार विश्व में अब तक का सबसे गर्म साल 2024 रहा है। वर्कले अर्थ द्वारा जारी रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि होती है कि सर्वाधिक गर्म साल 2024 रहा है। मजे की बात यह है कि यह सब तो तब है जब ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वैश्विक सम्मेलन लगातार आयोजित हो रहे है और पृथ्वी के बढते तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सीधा सीधा अर्थ धरती के तापमान में बढ़ोतरी होना है। इस साल 2025 के ग्लोबल हीट डे की थीम रिकागनाइजिंग एण्ड रेस्पोडिंग टू हीट स्ट्रोक रखा गया है। दुनिया के देष 2050 तक ग्लोबल वार्मिंग दर को 50 प्रतिशत कम तक लाना है।

दरअसल 1896 में ही स्वीडिस मौसम विज्ञानी ने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से चेता दिया था। 1975 में ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सबसे पहली रिपोर्ट आई और 1988 में अमेरिका की सीनेट में

नासा वैज्ञानिक जैम्स हेनसेन से चर्चा करते हुए आने वाले संकट को स्पष्ट कर दिया था। ग्लोबल वार्मिंग के चलते आज दुनिया के देशों, समुद्र किनारे के शहरों, जंगलों की जैव विविधता और बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों के सामने गंभीर संकट आ गया है। कहने का अर्थ यह है कि यह संकट किसी एक स्थान या एक नागरिक विशेष पर ना होकर समूची मानव जाति और अस्तित्व पर आ गया है। इसके दुष्परिणामों को तो इस तरह से समझा जा सकता है कि ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं, इससे समुद्र का जल स्तर लगातार बढने लगा है। मौसम के हालात अस्पष्ट होते जा रहे हैं। गर्मी और अधिक लंबी व गर्म होती जा रही है तो मौसम चाहे सर्दी हो, गर्मी हो या बरसात हो चरम स्थिति में होने लगा है। रेगिस्तान बढ रहा है तो जलवायु परिवर्तन या यों कहें कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते नित नए चक्रवात, तूफान, बरसात के दिन कम होने के बावजूद एक ही समय में अत्यधिक बरसात, सर्दियों में अधिक बरसात आदि सामने आ रहे हैं।

मौसम विज्ञानियों ने पहले ही चेता दिया था कि औद्योगिक क्रान्ति और उसके चलते हमारी जीवन शैली में बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग के हालात बनते जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सबसे प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग रहा है। कोयला, तेल, गैस आदि जीवाश्म ईंधन के उपयोग से अंतरिक्ष की परत प्रभावित हुई है और उसके चलते तापमान में बढ़ोतरी के हालात बनते जा रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि जीवाश्म ईंधन के साथ ही कुछ अन्य कारण भी है जिनके चलते तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। अत्यधिक शहरी करण और लोहे सीमेंट के उपयोग के कारण गगनचुंबी इमारतों से कंक्रिट के जंगल का विस्तार, आबादी का अत्यधिक दबाव होने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक व बेरहमी से दोहन, सुविधा के लिए नित नए इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का अत्यधिक उपयोग, पंखें या कूलर के स्थान पर एयर कण्डीशनरों का उपयोग, रसोई में फ्रीज व अन्य उत्पादों का उपयोग और इसी तरह के अन्य वस्तुओं के उपयोग के चलते तापमान में बढ़ोतरी का कारण बनता जा रहा है। मजे की बात यह है कि आज जिसे बेहतर व उपयोगी बताया जा रहा है कुछ समय बाद ही उसे हानिकारक बताने में भी नहीं हिचका जा रहा। आज जापान आदि देशों में माइक्रोवेव ओवन या आरओ आदि के उपयोग को हानिकारक बताया जाने लगा है। पहले प्लास्टिक को बढ़ावा दिया गया और अब उसके दुष्परिणाम सामने हैं। इसी तरह से जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रुप में ईवी वाहनों के प्रोत्साहन के साथ ही दबे स्वर में यह रिपोर्ट आने लगी है कि ईवी का भी असर तापमान बढ़ोतरी पर पड़ेगा। हालात यहां तक होने लगे हैं कि हीट स्ट्रोक के कारण लोगों की ही नहीं जानवरों की भी जान जाने लगी है।

ग्लोबल हीट एक्शन डे के आयोजन के पीछे लोगों को हालात की गंभीरता से सजग करना और अत्यधिक हीटवेव से बचने के लिए सतर्क और सजग करना है। तापमान की बढ़ोतरी का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि स्थानीय निकायों द्वारा तापमान अधिक होने पर आमनागरिकों को राहत देने के लिए सड़कों पर पानी का छिड़काव करवाया जाने लगा है तो जयपुर सहित कई शहरों में सिग्नल वाले रास्तों पर गर्मी से राहत के लिए हरा पर्दा टांगा जाने लगा है। हीट एक्शन डे के माध्यम से लोगों को सजग करना, हीटवेव से बचने व सुरक्षा के उपायों खासतौर से भूखे पेट नहीं रहना, पानी व तरल पदार्थ का अधिक सेवन के साथ ही छाया में रहने और ढीले कपड़े पहने के साथ ही शरीर को ढक के रखना आदि के प्रति अवेयर करना है।

वर्ग पहेली 5751

1	2		3	4		5	■
6		■	7		■	8	9
10		11		■	12		
	■		■	■	13		
■	14	■	15	16		■	■
17		18	■	19		20	21
	■		■		■	22	
23					■	24	

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जिनका जन्म दिवस 7 जुलाई 1981 है, जिन्हें माही के नाम से जाना जाता है (7)
6. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
7. विस्तार, काल, संबंध आदि के विचार से बहुत अंतर पर (2)
8. लालच, लोलुपता, लिप्सा (2)
10. नाना का घर, ननिहाल (4)
12. एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने की दूरवर्ती क्रिया, प्रयाण, यात्रा (3)
13. भवसागर से पर होना, सद्गति प्राप्त करवाना (3)
15. शंका करने वाला, आशंकाशील, संदेहशील (3)
17. पुराणानुसार पाताल सात है, जिनमें यह दूसरा है, अगाध्य (3)
19. विवश, लाचार, बेबस (4)
22. तुरंत, जल्दी से, शीघ्रता, फुर्ती से (2)
23. निर्देशक मनमोहन देसाई की धर्मेंद्र, जीनत अमान और जीतेंद्र आदि की 1977 की एक फिल्म (5)
24. विविध, अनेक प्रकार के, मातामह (2)

ऊपर से नीचे(2)

1. उत्तमतमता, गौरव, सदाशयता (4)
2. लगभग 500 फिल्मों में नृत्य पेश कर चुकी वे नृत्यांगना अभिनेत्री (3)
3. ईंगुर, शिंगफ, श्रृंगारक (3)
4. विभाजक संख्या, अधिकारभागी (2)
5. कुमुद, नीलोत्पल, नीलकमल (4)
9. रिक्त स्थान की पूर्ति करना, क्षतिपूर्ति करना (3)
11. पार्श्वचर, पुरुष मित्र (2)
12. पंजाब की पांच नदियों में से एक जिसका पौराणिक नाम शतद्रु है (4)
14. पुत्र, बेटा (2)
16. काम से जी चुराने वाला, कमकस (4)
17. अथाह, बहुत गहरा, असमी (3)
18. रास, बागडोर, मुखरी, कुशा (3)
20. खुशीवल करना, बोध कराना (3)
21. याद करने के लिए बारंबार दोहराना (3)

वर्ग पहेली 5750 का हल

लं	द	न	■	■	दु	ब	ई
ब	ल	वा	न	■	■	ला	ख
त	■	ब	वा	सी	र	■	■
डं	■	■	ग	र	म	ह	वा
ग	या	■	त	■	क	ल	म
■	या	म	■	म	ना	■	न
बा	व	न	ग	जा	■	दा	■
द	र	■	ति	क	ड़	मी	■

संवाद और संचार की दुनिया में बज रहा हिंदी का डंका

(प्रो. संजय द्विवेदी)

हिंदी पत्रकारिता का विस्तार अब डिजिटल दुनिया में भी संभव हुआ है। डिजिटल का सूरज कभी डूबता नहीं और जो डिजिटल पर है,वह ग्लोबल होने की संभावना से भरा हुआ है। इस दुनिया में भी हिंदी का डंका बज रहा है।

कोलकाता से 200 साल पहले जब पं. युगुलकिशोर शुक्ल ने हिंदी का पहला पत्र 30 मई, 1826 को प्रारंभ किया होगा, तो उन्होंने यह सोचा भी न होगा कि हिंदी पत्रकारिता देश की आवाज बन जाएगी।? वह इस महान देश के सपनों, आकांक्षाओं, संघर्षों, आंदोलनों, दुखों और आर्तनाद की सबसे प्रखर भाषा की वाहक बनेगी। हिंदी पत्रकारिता के पहले संपादक का सपना था, हमारी पत्रकारिता 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' हो। यह वाक्य उन्होंने अपने पहले संपादकीय में लिखा और हमें हमारा संकल्प बता दिया। हमारी कृतघ्नता देखिए कि इस महान नायक की स्मृति में देश में कोई स्मारक नहीं है। न कोलकाता में, न ही उनकी जन्मस्थली पर। अपने पुरखों के प्रति हम कितने लापरवाही से भरे हुए हैं, उसका उदाहरण है कि शुक्ल जी का कोई चित्र हमारे पास नहीं है। इसलिए 'उदंत मार्तण्ड' का पृष्ठ लगाकर उन्हें याद करते हैं। हद तो तब हो गई जब दो-तीन वर्षों से युगल किशोर शुक्ल के नाम पर हिंदी पत्रकारिता दिवस पर अनेक अखबारों में साहित्यकार श्री शिवपूजन सहाय के चित्र छापे जा रहे हैं। आज भी गूगल में सर्च करने पर शुक्ल जी के नाम पर सहाय जी का चित्र आंखों के सामने तैरता है। मैंने भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) में अपनी पदस्थापना के दौरान वहां के पुस्तकालय और वाचनालय का नामकरण शुक्ल जी के नाम पर किया। वह देश में उनकी स्मृति में पहला स्मारक था। यह तो रही हमारी स्मृति हीनता की बात। लेकिन शुक्ल जी रोपा पौधा आज लहलहा रहा है।

हिंदी पत्रकारिता देश की सबसे खास आवाज बन चुकी है। इसके साथ ही संचार और संवाद की हिंदी सबसे खास भाषा है। सिर्फ पत्रकारिता से नहीं अपने विविध माध्यमों पर उपलब्ध कंटेंट से हिंदी को बड़ा आधार मिला है।

रजिस्ट्रार आफ न्यूजपेपर्स फार इंडिया (आरएनआई) 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 1 लाख, 47 हजार से अधिक पत्र-पत्रिकाएं पंजीकृत हैं, जिनमें 45 प्रतिशत हिंदी के हैं। इंडियन रीडरशिप सर्वे की मानें तो हिंदी अखबारों की पाठक संख्या 38 करोड़ से अधिक है। भारत में 750 से अधिक टीवी चैनल हैं , जिनमें 35 प्रतिशत हिंदी के हैं। ये आंकड़े बताते हैं हिंदी पत्रकारिता ने एक लंबी यात्रा में अपना सामाजिक आधार विस्तृत किया है।

डिजिटल दुनिया में राज कर रही हिंदी: हिंदी पत्रकारिता का विस्तार अब डिजिटल दुनिया में भी संभव हुआ है। डिजिटल का सूरज कभी डूबता नहीं और जो डिजिटल पर है, वह ग्लोबल होने की संभावना से भरा हुआ है। इस दुनिया में भी हिंदी का डंका बज रहा है। गूगल और केपीएमजी की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि भारत में इंटरनेट उपभोक्ता अब 85 करोड़ से अधिक हैं। इनमें 70 प्रतिशत भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी में सामग्री पढ़ना,सुनना, देखना चाहते हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव आपकी पदोन्नति या विभागीय स्थानांतरण से जुड़े हो सकते हैं, जिससे कुछ सहयोगियों में असंतोष उत्पन्न होगा। परोपकारी स्वभाव से आप सबका दिल जीत लेंगे। आज आपकी योजनाएं दूसरों की मदद से गति पकड़ेंगी, जिससे कार्यों में संतुलन बना रहेगा।

वृष

आज जीवन सुखद रहेगा और किसी नजदीकी सदस्य से वित्तीय सहयोग या सलाह मिल सकती है। शेयर, निवेश, या व्यापारिक साझेदारी से जुड़े कोई पुराने प्रयास अब लाभ देने लगेंगे। दोपहर तक कोई शुभ समाचार आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बन सकता है।

मिथुन

आज धन सम्?मान के मामले में पिता का आशीर्वाद और वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। किसी जमीन, वाहन, या मूल्यवान संपत्ति की प्राप्ति में सहायक होगा। करियर में एक नई शुरुआत या प्रमोशन की प्रबल संभावना है।

कर्क

आज आर्थिक क्षेत्र में शुभ संकेत मिलेंगे। अचानक कोई रुका हुआ या भूला हुआ धन वापस मिल सकता है, जिससे आपकी वित्तीय स्थिति में तत्काल सुधार होगा। खासकर यदि आपने किसी सरकारी योजना, सब्सिडी या ठेके के लिए आवेदन किया है।

सिंह

आज सम्?मान में वृद्धि के योग हैं। राजनीतिक या प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत जातकों को अप्रत्याशित सफलता मिल सकती है। किसी अधूरी परियोजना के पूरे होने से आय में वृद्धि होगी। नौकरी बदलने या स्थानांतरित होने की संभावनाएं बन रही हैं, जो दीर्घकालीन रूप से लाभकारी होंगी।

कन्या

आज भाग्?य में वृद्धि के योग हैं। कार्यक्षेत्र में कठोर परिश्रम का पूर्ण फल मिलेगा। आपके द्वारा शुरू की गई योजनाएं या रचनात्मक प्रॉजेक्ट आर्थिक रूप से फलदायी सिद्ध हो सकते हैं। यदि आप बिजनस में हैं तो कोई नई डील फायदे का सौदा बन सकती है।

तुला

आज शिक्षा, प्रतियोगिता या किसी कोर्स की तैयारी कर रहे जातकों के लिए सफलता का दिन है, जिससे करियर का मार्ग प्रशस्त होगा। वाणी की मधुरता से ऑफिस में आप अतिरिक्त लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं।

वृश्चिक

आज धन, सम्मान और यश में वृद्धि होगी। यदि आप जॉब में हैं तो आपके काम की प्रशंसा होगी, जिससे प्रमोशन या बोनस की चर्चा हो सकती है। व्यवसाय में रुका हुआ भुगतान प्राप्त होगा और पुराने निवेश लाभ देने लगेंगे।

धनु

आज घरेलू आवश्यकताओं पर खर्च अधिक होगा, विशेषकर फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स या वाहन से संबंधित। धन संबंधी लेन-देन में सतर्क रहें। किसी पर आंख मूंदकर विश्वास न करें। नौकरीपेशा लोगों को सरकारी कामों में सफलता मिलेगी, जिससे करियर में स्थिरता आएगी।

मकर

आज कार्यक्षेत्र में लाभ और वरिष्ठों से प्रशंसा मिलेगी। व्यापार में विस्तार की योजना बन रही है। यदि साझेदारी में काम कर रहे हैं तो अच्छे नतीजे मिलेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और बैंक बैलेंस बढ़ेगा। परीक्षा या प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे लोगों के लिए दिन सफलता का संकेत देता है।

कुंभ

आज दिन स्वास्थ्य को लेकर खर्च अधिक हो सकता है। किसी प्रॉपर्टी डील या नए व्यवसाय से संबंधित दस्तावेजों की गंभीरता से जांच करें। लापरवाही भारी नुकसान का कारण बन सकती है। ऑफिस में सहकर्मियों से असहयोग की स्थिति बन सकती है, लेकिन धैर्य से काम लें।

मीन

आज व्यापार में नई प्रगति होगी और पुराने क्लाइंट से दोबारा ऑर्डर मिलने की संभावना है। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। दूर-दराज की व्यापारिक यात्रा से विशेष लाभ होगा। विद्यार्थी वर्ग को राहत और उत्साह महसूस होगा जिससे उनका प्रदर्शन सुधरेगा।

संक्षिप्त समाचार

द्वारचार से पहले अचानक गायब हो गया दूल्हा, मायूस हुई दुल्हन, लौट गई बारात

रायबरेली, एजेंसी। यूपी के रायबरेली जिले में थाना क्षेत्र के एक गांव में बारात आई और उसका स्वागत-सत्कार शुरू हुआ। लड़की वालों की तरफ से द्वारचार का बुलावा आया तो दूल्हा ही गायब हो गया। दोनों पक्षों ने दूल्हे की खोजबीन शुरू की, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। आखिर बारात लौट गई। बछरावां थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार की रात बाराबंकी के थाना हैदरगढ़ क्षेत्र के एक गांव से बारात आई। बारात पहुंचते ही लड़की वालों ने उनका स्वागत सत्कार शुरू कर दिया। इसके बाद शादी की रस्में शुरू करने की तैयारी शुरू हो गई। अब द्वारचार पूजा के लिए बारातियों के लिए लड़की पक्ष से बुलावा आ गया। इसी बीच जनवासे से अचानक दूल्हा गायब हो गया। वर और वधू पक्ष के लोग दूल्हे को तलाशना शुरू कर दिया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया। दूल्हे के मोबाइल पर जब फोन किया गया तो वह स्विच ऑफ बता रहा था। सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर कर मामले को शांत कराते हुए दूल्हे की खोजबीन शुरू की। पुलिस ने दूल्हे के घर थाना हैदरगढ़ तक तलाश की, लेकिन दूल्हा घर पर भी मौजूद नहीं मिला। दूल्हे के गायब होने से दोनों पक्षों में मायूसी छा गई। दुल्हन मेहंदी लगाए दूल्हे का इंतजार करती रही। दूल्हे के परिजन भी बिना दूल्हन के लौट गए। थानाध्यक्ष पंकज त्यागी ने बताया कि इस मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलेगी तो मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

राजद के मनोज झा ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, विशेष सत्र की मांग को लेकर आवाज बढ़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज कुमार झा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर ऑपरेशन सिंदूर और इसके भू-राजनीतिक, सैन्य और घरेलू निहितार्थों पर विचार-विमर्श के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया है। अपने पत्र में झा ने कहा कि नागरिक बढ़ते ध्रुवीकरण के बीच संगठित अराजकता को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने लिखा, उन्हें लग रहा है कि उन्हें अपने देश के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में अंधेरे में छोड़ दिया गया है, चाहे वह सीमा पार आतंकवाद का जवाब हो या इसके भू-राजनीतिक निहितार्थ। राजद नेता ने विदेशी हस्तक्षेप, रणनीतिक शासन ढांचे, मीडिया सुधार और सैन्य अभियानों के राजनीतिकरण जैसे मुद्दों पर संसदीय विचार-विमर्श की आवश्यकता पर जोर दिया। अपने पत्र में, राज्यसभा सदस्य झा ने कहा कि वह ''भारतीय नागरिकों की चिंताओं और भावनाओं को व्यक्त कर रहे हैं, जो महसूस कर रहे हैं कि उन्हें अपने देश के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में अंधेरे में रखा गया है।'' उन्होंने कहा, ''वे 'संगठित अराजकता' के बारे में चिंतित हैं, जो पहले से ही ध्रुवीकृत समाज को गंभीर क्षति पहुंचा सकती है। मैं आपसे अनुरोध कर रहा हूँ कि पाकिस्तान के खिलाफ हालिया सीमा-पार अभियानों, उनके प्रभावों और आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाया जाए।'' कई विपक्षी दल पहलगाम आतंकी हमले के बाद से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। हाल में 'ऑपरशेन सिंदूर' पर हुई सर्वदलीय बैठक में भी यह मांग उठायी गयी थी। राजद नेता ने कहा कि सत्र के एजेंडे में भारत की संप्रभु विदेश नीति के मामलों में 'दूसरे देशों की सरकारों के हस्तक्षेप'' का मुद्दा शामिल होना चाहिए। झा ने कहा कि अभियान शुरू होने के बाद से ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का कम से कम 12 बार श्रेय लिया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विशेष सत्र शीघ्र ही बुलाया जाएगा।

ये कुल्लू कौन है? जिसे खोजने के लिए इंजीनियर ने रखा इनाम; 130 जगह चस्पा कराए पोस्टर

प्रयागराज, एजेंसी। देशी कुत्ते कल्लू को बंदरों ने ऐसा काटा कि जल निगम के इंजीनियर पुष्कर गोयल नौ दिनों से व्यथित हैं। व्यथा ऐसी कि उसको ढूंढने वाले को उन्होंने दस हजार रुपये इनाम देने की घोषणा तक कर दी है। इसके लिए ना केवल प्रयागराज शहर भर में उन्होंने 130 स्थानों पर पोस्टर चस्पा कराए हैं बल्कि अपने फतेहपुर कार्यालय से छुट्टी लेकर कल्लू को ढूंढने में लगे हैं। इंजीनियर के इस कुल्लू प्रेम की खूब चर्चा हो रही है। उधर, इंजीनियर पुष्कर कुल्लू को ढूंढने के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं।
तीन वर्ष पहले पुष्कर झूंसी के कटका कार्यालय में कार्यरत थे। उनके आने जाने के दौरान कार्यालय के गेट पर कल्लू अक्सर खड़ा हो जाता था। फिर उन्होंने उसे खाना खिलाना शुरू किया। दो-तीन दिनों में ही दोनों के बीच ऐसा लगाव हुआ कि पुष्कर रोजाना घर से खाना लाकर कल्लू को खिलाने लगे। कुछ दिन पहले वह खाना खिलाने पहुंचे तो कल्लू नहीं दिखा। कुल्लू को न पाकर वह परेशान हो गया। उन्होंने आसपास पता किया। लोगों से पता चला कि बंदरों ने उसका पैर बुरी तरह से काट डाला है। कुल्लू जख्मी हो गया है। तब इंजीनियर ने कुल्लू को ढूंढना शुरू कर दिया। ढूंढते-ढूंढते कल्लू मिला, तब पुष्कर उसे म्योराबाद में रक्षा नामक एनजीओ चलाने वाली वंशिका के पास इलाज के लिए ले गए। कोई उपचार संभव नहीं होने पर पुष्कर ने कटरा के पशु चिकित्सक डॉ.एके सिंह से संपर्क किया।

एक साथ, एक मंच पर फिर दिखे दोनों पवार एनसीपी के विलय की अटकलों के बीच मुलाकात?

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की सबसे बड़ी पॉलिटिकल फैमिली पवार परिवार से जुड़ी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों धड़ों के विलय की अटकलों के बीच एनसीपी के संस्थापक शरद पवार और दूसरे खेमे के नेता और राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार यानी दोनों चाचा-भतीजा एक बार फिर एक मंच पर एक साथ दिखे हैं। इस बार दोनों नेताओं की मुलाकात पुणे में हुई। दोनों ही नेता पुणे के वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट में चीनी उद्योग और कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर एक सेमिनार में एक साथ देखे गए। उच्च पदस्थ सूत्रों के हवाले से इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि मंच साझा करने के अलावा शरद पवार, अजित पवार और एनसीपी (सपा)के नेता जयंत पाटिल ने अलग-अलग बातचीत भी की। हालांकि, दोनों पक्षों ने इस मुलाकात पर कहा है कि इसमें कुछ भी राजनीतिक नहीं था। उस कार्यक्रम में एनसीपी के दिलीप वाल्से पाटिल, एनसीपी (सपा) के राजेश टोपे और कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट भी शामिल हुए थे।

मई में भी दो बार मिल चुके दोनों पवार : एक मंच पर एक साथ दोनों सीनियर और जूनियर पवार की मौजूदगी ने महाराष्ट्र के सियासी जगत में सरगर्मी बढ़ा दी है और सभी को अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया है कि क्या दोनों गुट एकजुट होने जा रहे हैं? हालांकि, शरद

पवार के पोते रोहित पवार ने भी इसी तरह का कुछ इशारा कर सियासी अटकलों को और हवा दे दिया है। बता दें कि पिछले महीने मई में, दोनों पवार को मुंबई में दो अलग-अलग कार्यक्रमों में एक साथ देखा गया था। अप्रैल में भी चाचा-भतीजे ने सतारा में आयोजित रयत शिक्षण संस्थान परिषद की बैठक में मंच साझा किया था। दोनों नेताओं के मंच साझा करने का यह नवीनतम मामला 10 जून को एनसीपी के स्थापना दिवस से कुछ दिन पहले सामने आया है। एनसीपी की स्थापना शरद पवार ने 1999 में कांग्रेस से अलग होने के बाद की थी।

विलय पर चर्चा से इनकार : दूसरी तरफ, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) नेता अनिल देशमुख ने शरद पवार और उनसे अलग हुए भतीजे अजित पवार के बीच हाल में हुई बैठकों के बाद दोनों की अगुवाई वाले दलों के विलय की अटकलों को तवज्जो नहीं देते हुए सोमवार को कहा कि दोनों गुटों के साथ आने पर कोई चर्चा नहीं हुई। देशमुख ने कहा, ''दोनों राकांपा के फिर से एक होने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। दोनों नेता चीनी और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े मुद्दों पर अलग-अलग मौकों पर मिलते रहते हैं। दोनों गुटों के विलय पर कोई चर्चा नहीं हुई है।

राज्य के पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि ऐसी बैठकें होती रहती हैं। राज्य में लंबित निकाय चुनावों के मुद्दे पर देशमुख ने कहा कि चुनाव उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''स्वच्छ पेयजल और सरकार से जुड़े मुद्दे लंबित हैं, चुनावों में और देरी नहीं होनी चाहिए।'' बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) सहित कई नगर निकायों के चुनाव लंबे समय से लंबित हैं। पिछले माह उच्चतम न्यायालय ने राज्य निर्वाचन आयोग को चार माह के भीतर निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया था। रायगढ़ और नासिक के प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति नहीं किए जाने के मुद्दे पर देशमुख ने कहा, ''यह निराशाजनक है कि प्रमुख प्रशासनिक पद खाली हैं। हमें बेहतर शासन के लिए एक साथ आने और इसे हल करने की आवश्यकता है।''उन्होंने किसानों की वास्तविक समस्याओं को लेकर कहा, ''उन्होंने (सरकार ने) कर्ज माफी का वादा किया था, लेकिन कुछ नहीं किया गया। सरकार को केवल बातें नहीं करनी चाहिए, बल्कि काम करना चाहिए।''

एशिया के दूसरे सबसे बड़े चर्च के सामने सजेगा बाबा बागेश्वर का दरबार

रायपुर, एजेंसी। प्रसिद्ध कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कहा कि भारत में सबसे ज्यादा धर्मांतरण का खतरा बस्तर और जशपुर क्षेत्रों में है। आगामी समय में वे जशपुर में कथा करेंगे, जहां एशिया का दूसरा सबसे बड़ा चर्च स्थित है। उनका यह भी कहना था कि चर्च के ठीक सामने वे कथा आयोजित करेंगे। शास्त्री ने कहा कि वे छत्तीसगढ़ में पदयात्रा करेंगे और सनातन धर्म का शंखनाद करेंगे। उन्होंने कहा कि 7 नवंबर से दिल्ली से वृंदावन तक भी पदयात्रा का आयोजन करेंगे। प्रसिद्ध कथावाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र बनकर रहेगा। हमने इसके लिए स्पष्ट योजना बना ली है। संतों का कमंडल बागेश्वर धाम सरकार से निकलेगा। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम के ननिहाल में आकर उन्हें बहुत प्रसन्नता हुई। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने आगामी योजनाओं की भी जानकारी दी कि वे छत्तीसगढ़ में पदयात्रा करेंगे और 7 नवंबर से दिल्ली से वृंदावन तक भी पदयात्रा का आयोजन करेंगे। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने छत्तीसगढ़ के एंटी नक्सल ऑपरेशन पर साय सरकार की पहल का स्वागत किया। नक्सलियों के खिलाफ बस्तर क्षेत्र में चलाए जा रहे अभियान पर केंद्र और राज्य सरकार के प्रयास की सराहना की।

ग्रेटर नोएडा सेक्टर-2 में गरजे बुलडोजर, 100 करोड़ की 10 हजार वर्गमीटर जमीन कब्जा मुक्त

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने पतवाड़ी गांव के पास बने सेक्टर-2 में 10 हजार वर्गमीटर जमीन पर हुए अवैध निर्माण पर सोमवार को बुलडोजर चला दिया। टीम ने अवैध निर्माण ढहाकर 10 आवंटियों को प्लॉट दिला दिए। यहां कब्जा मुक्त जमीन की कीमत 100 करोड़ रुपये आंकी गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की आवासीय योजना के अंतर्गत 10 आवंटियों को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-2 के डी ब्लॉक में भूखंड आवंटित किए गए थे, लेकिन उक्त हिस्से की जमीन पर गांव के लोगों द्वारा अवैध निर्माण करने के चलते आवंटियों को कब्जा नहीं दिया जा सका। आवंटी प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से मिले। सीईओ के निर्देश पर प्राधिकरण की टीम पतवाड़ी गांव में पहुंची और खसरा संख्या-1150 की लगभग 10 हजार वर्गमीटर जमीन पर हुए अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण की टीम ने सेक्टर-2 के डी ब्लॉक में 10 आवंटियों को उनके भूखंड पर कब्जा दिला दिया। 16 सालों के लंबे इंतजार के बाद भूखंड पर कब्जा मिलने से आवंटियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अवैध निर्माण टूटने से सेक्टर की नौ और 18 मीटर चौड़ी सड़क बनाने और हरित क्षेत्र विकसित करने का रास्ता भी साफ हो गया। हाजीपुर-वाजिदपुर में अवैध इमारतें सील नोएडा प्राधिकरण की अवैध इमारतों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। प्राधिकरण ने हाजीपुर और वाजिदपुर में सोमवार को कुछ इमारतों पर अवैध लिखवाकर उन्हें सील किया। अधिकारियों का कहना है कि अवैध इमारतों को जल्द तोड़ा जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि वर्क सर्किल-9 के अंतर्गत नगली वाजिदपुर में खसरा नंबर-72, 168, 188, 197 और 204 पर सीलिंग की कार्रवाई की। वर्क सर्किल-8 के अंतर्गत हाजीपुर गांव के खसरा नंबर-237 की जमीन पर अवैध से बहुमंजिला भवनों का निर्माण हो रहा था। इन इमारतों को सील कर अवैध लिखवाया गया। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित खसरा नंबर पर जो लोग निर्माण कर रहे थे, उनको पूर्व में कई बार नोटिस दिए गए, लेकिन उन्होंने निर्माण कार्य बंद नहीं किया। अब सीलिंग की कार्रवाई की गई।

मैरिज ब्यूरो चलाने वाली का लूट कांड, पति की दूसरे से करा दी शादी, 7 लाख लूटे

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक अजीबों गरीब मामला सामने आया है। मैरिज ब्यूरो चलाने वाली महिला ने अपने ही पति की दूसरी युवती से शादी करवा दी। महिला ने युवती को पति की प्रोफाइल भेज कर उसे सरकारी टीचर बताया। युवती को रिश्ता पसंद आया और उसने युवक से शादी कर ली। शादी के बाद पीड़िता से लगभग 7 लाख रूपये लेकर आरोपी पति अपनी पहली पत्नी के साथ फरार हो गया था। मैरिज ब्यूरो की आड़ में अपने ही पति का सौदा कर लाखों की ठगी करने वाली सतनाम मैरिज ब्यूरो संचालिका समेत आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने 2 दिन के अंदर ठग दंपत्ति को ढूंढ निकला। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण की रहने वाली युवती ने जुलाई 2024 में एक मैरिज ब्यूरो में शादी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। इस मैरिज ब्यूरो को चित्रा चलाती थी। शुरू में कुछ प्रोफाइल दिखाने के बाद जब कोई लड़का पसंद नहीं आया तो चित्रा ने युवती को अपने ही पति संजय चौधरी का प्रोफाइल भेज दिया। संजय को उसने सरकारी शिक्षक बता दिया।

भारत को मिलने वाले हैं और एस-400 , ऑपरेशन सिंदूर में किया था पाकिस्तान का प्लान फ्लॉप

नईदिल्ली, एजेंसी। रूस 2025-2026 तक भारत को एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की बाकी इकाइयां देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में रूसी दूतावास के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाबुश्किन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके जवाब में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच छिड़े सैन्य संघर्ष में एस-400 मिसाइल प्रणाली ने बेहद प्रभावी ढंग से काम किया। बाबुश्किन ने वायु रक्षा और ड्रोन रोधी प्रणालियों के क्षेत्र में भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के संकेत भी दिए।

उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, हमने सुना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष के दौरान एस-400 ने बहुत ही प्रभावी ढंग से काम किया। हमारे बीच सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। यूरोप और यहां की स्थिति के मद्देनजर, हम महसूस कर रहे हैं कि वायु रक्षा प्रणाली सामान्य रूप से रक्षा तैयारी में हमारी साझेदारी के सबसे आशाजनक पहलुओं में से एक है। बाबुश्किन ने इस बात की पुष्टि की कि बाकी दो एस-400 इकाइयों के लिए अनुबंध प्रगति पर है और इनकी आपूर्ति सार्वजनिक रूप से घोषित समयसीमा के अनुरूप 2025-26 तक पूरी होने की उम्मीद है। भारत ने 2018 में रूस के साथ एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली के पांच स्क्वाड्रन के लिए 5.43 अरब अमेरिकी डॉलर का सौदा किया था। यह एक

अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणाली है, जो लंबी दूरी पर कई हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है। तीन स्क्वाड्रन की आपूर्ति पहले ही की जा चुकी है। रक्षा सहयोग के संभावित विस्तार को लेकर बाबुश्किन ने आगे बातचीत की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, हम वायु रक्षा प्रणालियों पर वार्ता को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए इस साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। बाबुश्किन ने मौजूदा वैश्विक सुरक्षा परिवेश में इस तरह के सहयोग के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। ड्रोन के बढ़ते खतरे का जिक्र करते हुए, खास तौर पर भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान उनके व्यापक इस्तेमाल के मद्देनजर, बाबुश्किन ने ऐसी चुनौतियों का मुकाबला करने में रूस के अनुभव को रेखांकित किया। बाबुश्किन ने कहा, हम कई वर्षों से इस खतरे का सामना कर रहे हैं और मुझे लगता है कि हमारी प्रणालियों का लगातार आधुनिकीकरण किया जा रहा है। मुझे लगता है कि यह दोनों पक्षों के साझा हित में होगा कि इस खतरे का मुकाबला कैसे किया जाए और कुछ अन्य सहयोग कायम किए जाएं। उन्होंने कहा कि ड्रोन रोधी प्रणालियां पहले से जारी भारत-रूस रक्षा वार्ता में शामिल हैं। बाबुश्किन ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की संभावित भारत यात्रा के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है।

चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो? यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और तथ्यहीन नैरेटिव है- हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पाकिस्तान द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर फैलाए जा रहे भय को खारिज करते हुए तथ्यों के साथ करारा जवाब दिया है। शर्मा ने स्पष्ट किया कि ब्रह्मपुत्र भारत में बढ़ती है, घटती नहीं और चीन द्वारा इसके प्रवाह को रोकने की आशंका बेबुनियाद है। मुख्यमंत्री का यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा एहसान अफजल के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करता है, तो चीन भी भारत के लिए ब्रहमपुत्र का पानी रोक सकता है। अफजल ने जियो न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, अगर भारत पाकिस्तान की तरफ पानी रोकने जैसा कदम उठाता है, तो चीन भी यही कर सकता है। लेकिन अगर ऐसा होने लगा, तो पूरी दुनिया युद्ध की स्थिति में आ जाएगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत द्वारा सिंधु जल संधि से निर्णायक रूप से हटने के बाद, पाकिस्तान

अब एक नया काल्पनिक डर गढ़ रहा है- 'अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो?' यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और तथ्यहीन नैरेटिव है। मुख्यमंत्री ने भौगोलिक और जलविज्ञान से जुड़े तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि ब्रह्मपुत्र के कुल जलप्रवाह का केवल 30-35प्रतिशत हिस्सा चीन के तिब्बत क्षेत्र से आता है, वो भी मुख्यतः ग्लेशियर के पिघलने और सीमित वर्षा के कारण। उन्होंने बताया कि इस नदी की 65-70प्रतिशत जलधारा भारत में उत्पन्न होती है, जिसमें पूर्वोत्तर भारत के राज्यों - अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और मेघालय - में होने वाली मूसलधार मॉनसूनी वर्षा और इसकी कई सहायक नदियां मुख्य भूमिका निभाती हैं। सीएम ने कहा, ब्रह्मपुत्र की शक्ति भारत में प्रवेश के बाद ही बढ़ती है। इंडो-चीन बॉर्डर (तूतिंग) पर इसका प्रवाह मात्र 2,000-3,000 घन मीटर/सेकंड होता है, जबकि असम के मैदानी इलाकों (जैसे गुवाहाटी) में मॉनसून के दौरान यह बढ़कर 15,000-20,000 घन मीटर/सेकंड तक पहुंच जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर चीन वाकई ब्रह्मपुत्र का प्रवाह कुछ कम भी कर दे तो इससे भारत को फायदा ही हो सकता है, खासकर असम में हर साल आने वाली बाढ़ को लेकर। बता दें कि चीन ने अभी तक कभी किसी मंच पर ब्रह्मपुत्र को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। असम सीएम ने आगे कहा, हर साल असम में लाखों लोग बाढ़ से बेघर होते हैं और आजीविका प्रभावित होती है। अगर चीन थोड़ी बहुत जलधारा रोके भी (जो कि न के बराबर संभावना है), तो यह भारत के लिए बाढ़ नियंत्रण में सहायक हो सकता है।

केंद्रीय गृह सचिव ने मणिपुर के राज्यपाल से सीमा पर बाड़ लगाने, कानून व्यवस्था के मुद्दे पर चर्चा की

इंफाल, एजेंसी। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय केंद्रीय दल ने सोमवार को मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में दो राहत शिविरों का दौरा किया। मणिपुर गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि चुराचांदपुर जिले के वेंग में असम राइफल्स के हेलीपैड पर उतरने के बाद केंद्रीय दल न्यू लामका के डोरकास वेंग में एक राहत केंद्र गया, जहां गृह सचिव ने बच्चों के लिए एक क्रेच सुविधा और महिलाओं के लिए सिलाई कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इन दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को सहायता और सशक्त बनाना है। बयान में कहा गया है कि केंद्रीय गृह सचिव और मणिपुर के राज्यपाल के बीच सोमवार को बैठक हुई जिसमें आसूचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन कुमार डेका, मणिपुर के मुख्य सचिव, मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बयान में कहा गया है, ''बैठक में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के लिए राहत एवं पुनर्वास प्रयासों, सीमा पर बाड़ लगाने और समग्र कानून व्यवस्था की स्थिति सहित राज्य से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।'' बयान के अनुसार, बैठक के दौरान पर्वतीय क्षेत्रों एवं घाटी दोनों में आईडीपी के लिए जारी राहत उपायों की समीक्षा की गई और

विस्थापित व्यक्तियों को प्रदान की जा रही वर्तमान सुविधाओं, पुनर्वास प्रयासों की स्थिति और उनके स्थायी पुनर्वास के लिए दीर्घकालिक योजना का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। बैठक में भारत-म्यांमा सीमा पर बाड़ लगाने के कार्य में प्रगति और राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया गया। इससे पहले सोमवार को केंद्रीय गृह सचिव और आईबी निदेशक के नेतृत्व में केंद्रीय टीम ने चुराचांदपुर में दो राहत शिविरों में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से बातचीत की और दोनों शिविरों की स्थिति का निरीक्षण किया। टीम ने डोरकास वेंग में राहत केंद्र का दौरा किया, जहां केंद्रीय गृह सचिव ने बच्चों के लिए एक 'क्रेच' सुविधा और महिलाओं के लिए सिलाई कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की : अजित पवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने सोमवार को माना कि पिछले साल शुरू हुई लाडकी बहिन योजना के तहत वित्तीय सहायता का भुगतान सभी महिला आवेदकों को कर बड़ी चूक हुई है। पवार ने कहा कि जांच के माध्यम से इस गलती को ठीक किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही सहायता प्राप्त हो। उन्होंने इस चूक के लिए जल्दबाजी में योजना के क्रियान्वयन को जिम्मेदार ठहराया। लाडकी बहिन योजना की घोषणा पिछले साल नवंबर में हुए राज्य विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले की गई थी। वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे पवार ने बारामती में संवाददाताओं से कहा, हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की। हमारे पास आवेदनों की जांच करने और अयोग्य लोगों की पहचान करने के लिए बहुत कम समय था। उस समय, दो से तीन महीने में चुनावों की घोषणा होनी थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि महिलाओं के बैंक खातों में जमा धनराशि वापस नहीं ली जाएगी। पवार ने कहा, जब इस योजना की शुरुआत की गई थी, तो सरकार ने अपील की थी कि केवल पात्र महिलाएं ही आवेदन करें, लेकिन ऐसा

नहीं हुआ। इसकी जांच की जा रही है। केवल जरूरतमंद महिलाओं को ही मासिक सहायता राशि मिलेगी।

संजय राउत ने मांगा इस्तीफा : अजित पवार के इस गलती की बात स्वीकार करने के बाद शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने उनके इस्तीफे की मांग की है। राउत ने आरोप लगाया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता पवार के नेतृत्व वाले वित्त विभाग ने वोटों की खातिर सरकारी धन की लूट को बढ़ावा दिया। मुख्यमंत्री माजी लाडकी बहिन योजना 17 अगस्त 2024 को शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य 21 से 65 साल की आयु की उन महिलाओं को सहायता प्रदान करना है, जिनकी अधिकतम वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है। आवेदकों को सितंबर महीने से लाभ मिलना शुरू हो गया था।

गेमचेंजर साबित हुई थी योजना : इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये की मासिक सहायता राशि दी जाती है। माना जाता है कि इस योजना ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की जीत में अहम भूमिका निभाई। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने हाल ही में 2,289 सरकारी कर्मचारियों की पहचान की, जिन्होंने गरीब महिलाओं के लिए बनाई गई इस योजना का लाभ उठाया था।

कबड्डी वर्ल्ड कप कैंप में हिमाचल प्रदेश की पांच बेटियां

धर्मशाला, एजेंसी। भारत में होने वाले महिला कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के अंतिम कैंप में सूबे की पांच खिलाड़ी भाग लेंगी। इसमें कबड्डी खिलाड़ी ज्योति ठाकुर, पुष्पा राणा, भावना, चंपा और साक्षी शामिल हैं। इससे पहले 10 से 30 मई तक आयोजित इंडिया कैंप में सूबे की खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने कैंप में अन्य खिलाड़ियों के साथ तालमेल के साथ प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया। इसके बाद टीम का चयन होना था। लेकिन महिला कबड्डी विश्व कप की तारीख आगे होने के कारण टीम का चयन नहीं हुआ था। पहले बिहार में 1 से 10 जून तक विश्व कप की तिथि प्रस्तावित थी। अब जब विश्व कप की तिथि घोषित होगी उसके बाद भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। बताया जा रहा है कि अब विश्व कप जुलाई में शुरू हो सकता है। इसके लिए जून के अंतिम सप्ताह में भारतीय महिला टीम का चयन भी किया जाएगा। इसके कुछ दिन पहले भारतीय कबड्डी संघ की ओर से इंडिया कैंप का आयोजन कर टीम का चयन किया जाएगा। इससे पहले भी एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी सूबे की चार खिलाड़ी भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। उन्होंने देश के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया था। साई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला की कबड्डी कोच पूजा ठाकुर ने कहा कि भारत में होने वाले कबड्डी विश्व कप में सूबे की चार से पांच खिलाड़ी भारतीय टीम में खेल सकती हैं। अब फाइनल इंडिया कैंप में भी पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, भावना, चंबा और साक्षी भाग लेंगी।

राष्ट्रीय सब जूनियर कोर्फबाल के लिए 20 खिलाड़ी चयनित

अंडर-15 वर्ग की राष्ट्रीय सब जूनियर कोर्फबाल प्रतियोगिता के लिए पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सरकाघाट में ट्रायल हुआ। इसमें हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिले के 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के आधार पर 10 लड़के और 10 लड़कियों सहित 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों के लिए कोचिंग कैंप बिलासपुर जिला में 14 से 20 जुलाई तक लगेगा। कैंप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से 7 लड़के और 7 लड़कियों सहित 14 खिलाड़ियों की टीम राष्ट्रीय सब जूनियर प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता स्थल के लिए हिमाचल प्रदेश की टीम 20 जुलाई को रवाना होगी। खिल भारतीय कोर्फबाल संघ के उपाध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव बीआर सुमन ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता 24 से 27 जुलाई को तमिलनाडु के चेन्नई में होगी।

इंडोनेशिया ओपनः

पीवी सिंधु ने नोजोमी ओकुहारा को हराया, लक्ष्य सेन बाहर

जकार्ता, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वहीं, लक्ष्य सेन मंगलवार को पहले दौर के कड़े मुकाबले में हारकर बाहर हो गए। सिंधु ने एक घंटे 19 मिनट तक चले महिला सिंगल्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को 22-20, 21-23, 21-15 से मात दी। पीवी सिंधु और नोजोमी ओकुहारा के बीच कड़ी टक्कर हुई। इस दौरान कई गेम और मैच प्वाइंट शामिल थे।

शुरुआती गेम में भारतीय शटलर ने दमखम दिखाया। सिंधु ने एक गेम प्वाइंट बचाया और आक्रामक शॉट लगाकर 22-20 से मैच अपने नाम किया। दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन इंटरवल तक वह 7-11 से पीछे चल रही थीं। इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी की और पावरफुल क्रॉस-कोर्ट स्मैश के साथ दो मैच प्वाइंट जुटाए, लेकिन बार-बार की गई सिंधु की गलतियों ने ओकुहारा को 20-20 से बराबरी पर ला दिया और जापानी शटलर ने आखिरकार गेम 23-21 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों ने गैर-जरूरी जोखिम से बचते हुए सतर्क रुख अपनाया। सिंधु ब्रेक के समय 11-9 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने अपनी लय हासिल की, लगातार जीत हासिल करते हुए 20-12 से आगे निकल गईं। उन्होंने आठ मैच प्वाइंट जुटाए और पांचवें को गोल में बदलकर जीत सुनिश्चित करते हुए राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया।

मैच के बाद सिंधु ने 14 साल में ओकुहारा के साथ अपने पिछले मुकाबलों को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 14 साल, 20 मैच। मेरे सबसे लंबे से लेकर सबसे छोटे वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल तक, हमेशा उनके साथ। हमने जीत, हार और एक प्रतिद्वंद्विता साझा की है, जिसे केवल हम ही समझते हैं। लड़ते रहो, नोजोमी। आपके बिना कोर्ट कभी भी वैसा नहीं रहता। इस बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप-2021 के सिल्वर मेडलिस्ट लक्ष्य सेन ने चीन के विश्व नंबर 1 शि यू क्यू के खिलाफ अच्छा मुकाबला खेला, लेकिन आखिरकार एक घंटे और पांच मिनट तक चले पहले दौर के पुरुष सिंगल्स मैच में 11-21, 22-20, 15-21 से हार गए। 23 वर्षीय शटलर ने पीठ की चोट से उबरकर मजबूत वापसी की।

इस चोट ने उन्हें पिछले हफ्ते मलेशिया हुए टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। सेन ने दूसरे गेम में 17-11 से पिछड़ने के बाद वापसी की। एक मैच प्वाइंट बचाया और गेम को 22-20 से निर्णायक बना दिया, लेकिन सेन की यह लय बरकरार नहीं रही और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी शि यू की ने तीसरे गेम में कंट्रोल हासिल करते हुए मैच को अपने नाम कर लिया।

भारत में हुआ जन्म, फिर छोड़ा देश, अब न्यूज़ीलैंड ने दिया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने 2025-26 के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है. इस सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में कई नए चेहरे भी देखने को मिले हैं. इसमें भारतीय मूल के खिलाड़ी आदि अशोक भी शामिल हैं. आदि अशोक न्यूजीलैंड की ओर से अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर चुके हैं. उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए अभी तक सिर्फ 3 ही इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं. इस युवा खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड टीम की ओर से अभी तक दो वनडे और एक टी20 मैच खेला है.

आदि अशोक ने दो वनडे मैच में 10 रन बनाए हैं जबकि उन्होंने एक विकेट भी झटका है. टी20 फॉर्मेट की बात की जाए तो इस युवा खिलाड़ी ने एक मैच में 28 के औसत से एक विकेट झटका है. न्यूजीलैंड ने इस साल के कॉन्ट्रैक्ट में 4 नए प्लेयर्स को शामिल किया गया है. आदि अशोक के अलावा इस सूची में मिच हे, मुहम्मद अब्बास और जक फोल्क्स भी शामिल हैं. इस बार की 20 खिलाड़ियों की सूची में पिछले सीजन के चार कॉन्ट्रैक्ट खिलाड़ी टिम साउदी, ईश सोढ़ी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन शामिल नहीं हैं.

2025-26 के लिए न्यूजीलैंड की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सूची

मुहम्मद अब्बास, आदि अशोक, टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जक फोल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विलियम ओरूर्क, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, विल यंग.

आदि अशोक ने किया बड़ा खुलासा

युवा स्पिनर आदि अशोक ने कहा, 'मेरा परिवार न्यूजीलैंड तब आ गया था जब मैं 4 साल का था. तब से ही मैं न्यूजीलैंड को अपना घर बोल रहा हूं. मेरा हमेशा से यह सपना रहा है कि मैं इंटरनेशनल क्रिकेट में न्यूजीलैंड की ओर से भाग लूं.' भारतीय मूल आदि अशोक को 2023 में डेब्यू के बाद पहली बार टीम में वापसी मिली है. वहीं मिच हे और मुहम्मद अब्बास ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत शानदार प्रदर्शन से की. हे ने नवंबर में श्रीलंका दौरे पर टी20 डेब्यू के दौरान छह शिकार करके विकेटकीपिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, वहीं अब्बास ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे डेब्यू पर महज 26 गेंदों में 52 रन ठोक कर इतिहास रच दिया था.

वैभव सूर्यवंशी को मिलेगा IPL का बड़ा अवॉर्ड?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का अब अंत होने जा रहा है. इस सीजन में कई युवा खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया. हालांकि, बिहार के 14 साल के सनसनीखेज बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा, वह इस बार सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहे. राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले वैभव अब आईपीएल 2025 के जमकर रन बनाए. वह बड़े-बड़े गेंदबाजों पर भारी पड़े. अब वह आईपीएल का एक बड़ा अवॉर्ड जीतने की रेस में भी हैं.

बिहार के समस्तीपुर जिले के ताजपुर गांव में 27 मार्च 2011 को जन्मे वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा दिया है. सिर्फ 14 साल की उम्र में, वैभव ने न केवल आईपीएल में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का रिकॉर्ड बनाया, बल्कि टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. 19 अप्रैल 2025 को, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 14 साल और 23 दिन की उम्र में डेब्यू करते हुए, वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर

अपनी आक्रामक शैली का परिचय दिया.

इसके बाद, 28 अप्रैल 2025 को गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव ने 38 गेंदों में 101 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 11 छक्के और 7 चौके शामिल थे. यह शतक केवल 35 गेंदों में आया, जो आईपीएल में क्रिस गेल के 30 गेंदों के शतक के बाद दूसरा सबसे तेज शतक है और किसी भारतीय की ओर से सबसे तेज शतक है. इस पारी ने वैभव को रातोंरात स्टार बना दिया और सोशल मीडिया पर उनकी तारीफों के पुल बांधे गए. वह अब आईपीएल का इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड जीतने के सबसे बड़े दावेदारों में से एक हैं.

● किसे दिया जाता है इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड?

आईपीएल का इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड उन युवा खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिनका जन्म 1 अप्रैल 1999 या उसके बाद हुआ हो, 5 टेस्ट या 20 वनडे से ज्यादा न खेले हों, सीजन शुरू होने से पहले 25 से कम आईपीएल मैच खेले हों और पहले यह अवॉर्ड न जीता हो. वैभव इन सभी मानदंडों पर खरे उतरते हैं. इस सीजन में उन्होंने 7 पारियों में 252 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है, और उनका स्ट्राइक रेट 206.55 रहा. हालांकि, इस अवॉर्ड की रेस में एक बड़ा नाम साई सुदर्शन का भी है. उन्होंने इस सीजन 15 मैचों में 759 रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैप जीतने की रेस में भी सबसे आगे हैं.

आखिरी गेंद पर बल्लेबाज हो गया रनआउट फिर भी जीत गई टीम, हुआ करिश्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 2023-27 के शानदार मैच में नेपाल ने स्कॉटलैंड को 1 विकेट से हराया. इस मैच में नेपाल की ओर से बेहतरीन खिलाड़ी करण के.सी. ने धमाकेदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. करण के.सी. ने सिर्फ बल्ले से ही नहीं बल्कि गेंदबाजी से भी फैंस का दिल जीत लिया. वहीं मैच की आखिरी गेंद पर कुछ ऐसा हुआ जिसको देख सभी फैंस हैरान रह गए.

आखिरी गेंद पर नेपाल ने जीता मैच

बता दें कि, आखिरी गेंद पर नेपाल को 1 रन की जरूरत थी. स्कॉटलैंड के स्पिनर मार्क वॉट ने वाइड गेंद फेंकी जिसपर नेपाल का बल्लेबाज रनआउट तो हो गए लेकिन अंपायर का फैसला देखने के बाद नेपाल टीम उत्साहित हो गई. अंपायर ने वाइड का फैसला दिया और नेपाल ने मुकाबले को 1 विकेट से जीता क्यूंकि उन्हें 1 रन की ही जरूरत थी जो उन्हें वाइड से मिल गया.

करण के.सी. ने की बेहतरीन गेंदबाजी

इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 296 रन बनाए. टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज चार्ली टीयर ने 80 रन की पारी खेली जबकि फिनले मैक्रेथ ने 55 रन का योगदान दिया. चार्ली टीयर ने अपनी 80 रन की पारी के दौरान 12 चौके और एक छक्का जड़ा. कप्तान रिची बैरिंगटन ने 40 रन बनाए. नेपाल की ओर से करण के.सी. ने घातक गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 43 रन देकर दो विकेट हासिल किए. उन्होंने इस मैच में स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बैरिंगटन को आउट किया जबकि चार्ली टीयर को भी नेपाल के गेंदबाज ने वापस पवेलियन की राह दिखाई.

करण के.सी. ने बल्ले से भी दिखाया कमाल

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल टीम ने एक समय 192 रन पर 7 विकेट खो दिए थे. हालांकि, करण के.सी. ने गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी कमाल दिखाया और अपनी टीम के लिए 41 गेंद पर 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 65* रन की बहुमूल्य पारी खेली. करण के.सी. ने पहले गुलशन झा के साथ आठवें विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की. गुलशन झा ने इस मैच में 42 रन का योगदान दिया. इसके अलावा उन्होंने संदीप लामिछाने के साथ मिलकर 9वें विकेट के लिए 38 रन जोड़े. करण ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए फैंस का दिल जीत लिया. नेपाल की ओर से कुशल भूर्तल ने 53 रन की पारी खेली जबकि कप्तान रोहित पौडेल ने 37 रन बनाए.

नॉर्वे चेसः अर्जुन को हराकर नंबर-2 पर आए गुकेश

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने 7वें दौरे में हमवतन अर्जुन एरिगैसी को हराया। 19 साल के गुकेश ने अर्जुन को पहली बार क्लासिकल चेज में हराया है। गुकेश की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है। उन्होंने पिछले

राउंड में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया था। संघर्षपूर्ण मुकाबले में मिली इस जीत से गुकेश ने एरिगैसी से दूसरे राउंड में मिली हार का बदला चुकता भी किया। पिछले चैंपियन कार्लसन को पीछे छोड़ा गुकेश के अब 11.5 अंक हो गए हैं। उन्होंने नॉर्वे के गत चैंपियन कार्लसन को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना 12.5 अंक लेकर टॉप पर हैं। उन्होंने चीन के वेई यी को हराया। कार्लसन एक अन्य अमेरिकी ग्रैंडमास्टर और वर्ल्ड नंबर-2 के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के खिलाफ आर्मागेडन में जीत के बाद 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नाकामुरा 8.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका हिकारू नाकामुरा पर जीत दर्ज की। वे तीसरे स्थान पर हैं।

अब 5 जुलाई को होगा नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट

दुनिया के 12 बड़े खिलाड़ी फेंकेंगे भाला

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब 5 जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी. आयोजकों ने मंगलवार को यह घोषणा की. भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण पिछले महीने इस इवेंट को स्थगित कर दिया गया था. भारत में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. पहले यह प्रतियोगिता 24 मई को आयोजित की जानी थी. इस प्रतियोगिता का आयोजन ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा द्वारा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है. इसे भारतीय एथलेटिक्स

महासंघ (एएफआई) से मंजूरी मिली हुई है. श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे. इनमें दुनिया के 7 सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी और चोपड़ा सहित 5 भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं. चोपड़ा के अलावा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं. इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैम्पियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर), जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर (93.90 मीटर), केन्या के 2015 के विश्व चैम्पियन जूलियस येगो (92.72 मीटर), अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर), जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन (84.28 मीटर), श्रीलंका के रुमेश पथिरेज (85.45 मीटर) और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा (86.34 मीटर) शामिल हैं. विश्व एथलेटिक्स से श्रेणी ए का दर्जा प्राप्त इस प्रतियोगिता का आयोजन पहले पंचकूला में होना था, लेकिन सीधे प्रसारण के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण इसकी मेजबानी बेंगलुरु को सौंपी गई.

आयोजकों के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक होगी. इसके अलावा 15 व्यक्तियों के लिए पांच कॉर्पोरेट बॉक्स 44,999 रुपये में उपलब्ध हैं. थ्रोअर रनवे के पास एक विशेष स्टैंड की कीमत 9,999 रुपये है, जबकि रनवे के ठीक पीछे स्थित नॉर्थ अपर स्टैंड में एक और विशेष स्टैंड 2,999 रुपये में उपलब्ध है.

कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के दिए निर्देश

बिना ई-केवायसी के नहीं मिलेगा खाद्यान्न

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने विभागीय अधिकारियों को विभिन्न स्तर पर विभागवार लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के लिए निर्देशित करते हुए कहा है कि प्राथमिकता के साथ सही व सटीक प्रतिवेदन दर्ज कर शिकायतों का निराकरण कराएं। आगामी समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के दृष्टिगत समाधान के विषयों सहित 100 दिवस से अधिक समय की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण तथा समय सीमा में लोक सेवा गारंटी एवं वर्तमान माह में प्राप्त शिकायतें भी निराकृत की जाएं। राजस्व विभाग द्वारा आरसीएमएस पोर्टल में दर्ज प्रकरणों विशेषकर सीमांकन प्रकरणों के निराकरण की भी प्रभावी कार्यवाही की जाए। साथ ही स्वामित्व योजना में वांछित प्रगति लाना सुनिश्चित करें। टीएल और जनसुनवाई पत्रों का भी शीघ्रता से निराकरण किया जाए।

कलेक्टर श्री कुमार ने समस्त राजस्व अधिकारियों को अधीनस्थ पटवारियों की नियमित रूप से कर्त्तव्य पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए भी कहा अन्यथा ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले पटवारियों के साथ राजस्व अधिकारियों के विरूद्ध भी कार्यवाही होगी। जिला कलेक्टर ने कहा कि डैशबोर्ड पर 16 विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन के आधार पर प्रदर्शित होने वाली जिले की रैंक में सुधार के लिए प्रमुख रूप से राजस्व एवं नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा अभियान मोड में कार्यवाही कर अपेक्षित प्रगति लाई जाए। वर्तमान में राजस्व विभाग अंतर्गत बंटवारा, सीमांकन और अभिलेख दुरूस्ती के प्रकरणों में जिले की प्रगति कम है। इसी तरह स्वरोजगारमूलक विभागों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को माहवार लक्ष्य निर्धारित कर स्वीकृत प्रकरणों के वितरण के निर्देश भी दिए। इस संबंध में जिला अधिकारियों को अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को लक्ष्य वितरण के लिए भी निर्देशित किया गया। इसके अलावा लीड बैंक प्रबंधक को भी आगामी 19 जून के पूर्व समस्त बैंकर्स को हितग्राहीमूलक योजनाओं में ऋण प्रकरणों का वितरण सुनिश्चित कराने के लिए निर्देशित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एमपी टॉस पोर्टल अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रकरणों की स्वीकृति व वितरण तथा स्थानीय निकायवार समग्र ई-केवायसी प्रगति की समीक्षा भी की गई। इसके अलावा बैंकर्स को वसूली कैंप शिविर के कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। साथ ही एमएलसी एवं पोस्टमॉर्टम

की थानावार ऑनलाइन रिपोर्ट की नवीन प्रक्रिया, एसडीएम तहसीलदार द्वारा प्रतिबंधात्मक एवं बाउण्ड ओवर कार्यवाही में तत्परता, आगामी 12 जून को कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में सागर में प्रस्तावित समीक्षा बैठक के लिए समय पूर्व जरूरी तैयारी, आगामी तीन माह मे सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों के निराकरण, बरसात पूर्व नालों की सफाई, 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रतीकस्वरूप पौधरोपण की तैयारी, श्री जुगल किशोर लोक का कार्य प्रारंभ करने के पूर्व शेष अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई इत्यादि के संबंध में भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जिले को कुपोषणमुक्त बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किया जाए। इसके लिए सभी पोषण पुनर्वास केन्द्रों को प्रभावी बनाने की कार्ययोजना पर कार्य करें। अधिकारी अपने निरीक्षण के दौरान एनआरसी की व्यवस्था व सुविधाओं का अवलोकन करें। एसडीएम निरीक्षण के दौरान केन्द्रों में उपचाररत कुपोषित बच्चों के डिस्चार्ज के तत्काल बाद भर्ती होने वाले कुपोषित बच्चों के संबंध में वांछित जानकारी रखें। किसी भी स्थिति में यह प्रयास हो कि गर्भावस्था के प्रारंभ से ही महिलाओं को समुचित जांच व उपचार की सुविधा मिले।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में अब तक 26 विभाग एवं शाखाएं ई-ऑफिस पर ऑनबोर्ड हो चुके हैं। अब इन विभाग अथवा शाखाओं द्वारा नवीन फाइल का क्रिएशन अथवा जनरेशन एवं मूवमेंट ई-ऑफिस पर सुनिश्चित कराया जाए। अवकाश संबंधी अथवा अन्य फाइलों का मूवमेंट भी ई-ऑफिस पर प्रारंभ किया जाए। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग सहित शेष 19 विभागों के अधिकारियों को ई-ऑफिस पर तत्काल ऑनबोर्ड होने के संबंध में वांछित कार्यवाही पूर्ण करने के लिए कहा। इस संबंध में किसी भी प्रकार की कठिनाई के निराकरण के लिए विभागीय अधिकारी-कर्मचारी कलेक्टेऊट स्थित ई-दक्ष केन्द्र में संपर्क कर सकते हैं। आगामी दिवसों में विकासखण्ड और तहसील मुख्यालयों पर भी ई-ऑफिस का क्रियान्वयन प्रारंभ किया जाना है।

जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक मंगलवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में सभी जिलाधिकारी अपने कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर संवेदनशीलता के साथ आम जनता की शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। इस दौरान समयबद्ध रूप से आवेदक की समस्या का निराकरण किया जाए और विधिवत पंजी संधारित कर आवेदनों का इन्द्राज भी किया जाए। लोगों से सुगमतापूर्वक भेंट एवं संवाद कर आवेदक को आवेदन की प्राप्ति भी दें। टीएल बैठक में जिले के भीतर लोकसेवकों के स्थानांतरण के संबंध में अनिवार्य रूप से परीक्षण उपरांत 3 जून तक प्रस्ताव प्रेषित करने के लिए कहा। इसके अलावा आगामी 7 जून तक शत-प्रतिशत खाद्यान्न हितग्राहियों का ई-केवायसी कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयावधि के बाद केवल ई-केवायसी करा चुके हितग्राहियों को ही खाद्यान्न मिलेगा। केवायसी पूर्ण कराने की बढ़ी हुई अवधि के बाद भी पात्र हितग्राहियों के खाद्यान्न से वंचित होने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदेही तय की जाएगी। इसलिए शेष 5 दिवसों में गंभीरतापूर्वक ई-केवायसी कार्य पूर्ण कराया जाए। साथ ही चिन्हांकित अपात्र हितग्राहियों का डाटा भी पोर्टल से हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार आगामी माह में एक साथ तीन माह के राशन का वितरण हितग्राहियों को किया जाना है। इसलिए विशेष निगरानी के साथ वास्तविक पात्र हितग्राहियों को ही राशन वितरण के लिए ई-केवायसी समय पर पूर्ण करवाना आवश्यक है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी सहित अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प यात्रा पहुंच रही है गांव गांव

किसान सभा में दी जानकारी

पन्ना। भारत सरकार के केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है। इसी तारतम्य में पन्ना जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग पन्ना के प्रयासों से विकसित कृषि संकल्प यात्रा गांव गांव तक पहुंच रही है, जिसके माध्यम से उन्नत कृषि तकनीक, ग्रीष्मकालीन फसलों की समसामयिकी सलाह, नरवाई प्रबंधन, ड्रोन तकनीक, खरीफ बागवानी फसलों की तैयारी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित उर्वरकों का प्रयोग, प्राकृतिक कृषि एवं भारत सरकार द्वारा संचालित कृषि एवं संबंधित विभागीय योजनाओं के बारे में किसानों को संगोष्ठी के माध्यम से आवश्यक जानकारी दी जा रही है।

आज विकासखंड पन्ना की ग्राम पंचायत जनवार, जरधोवा, कुंजवन, गहरा एनएमडीसी, जरूआपुर तथा मनौर में किसान सभा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विकसित कृषि संकल्प टीम के प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र पन्ना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी.एन. त्रिपाठी, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. रितेश बागोरा, जयचंद लोधी, धर्मेन्द्र सिंह, नवीन कुमार सहित कृषि संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

आधार ऑपरेटर के चयन के लिए आवेदन आमंत्रित

पन्ना। महिला एवं बाल विकास संचालनालय के निर्देशानुसार बाल विकास परियोजनाओं में आधार पंजीयन के लिए आधार मशीनों का संचालन कराया जाना है। इसके लिए जिले की 6 परियोजनाओं में भी मशीनों के संचालन के लिए ऑपरेटर्स का चयन किया जाएगा। इच्छुकजन 3 से 9 जून तक कार्यालयीन समय में कलेक्टेऊट स्थित जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय कक्ष क्रमांक 101 में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

देवेंद्रनगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यक्रम संपन्न

पन्ना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाकोशल प्रांत द्वारा देवेंद्रनगर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग का भव्य समापन समारोह 1 जून 2025 को रेनबो पब्लिक स्कूल परिसर में गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। 17 मई से प्रारंभ हुए इस 15 दिवसीय आवासीय शिविर में महाकोशल क्षेत्र के विभिन्न जिलों से लगभग डेढ़ सैकड़ा से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लेकर राष्ट्र सेवा, अनुशासन और संगठनात्मक संस्कारों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन समारोह के मुख्य वक्ता के रूप में संघ के मध्य क्षेत्र के सह क्षेत्र प्रचारक प्रेमशंकर सिदार रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा, संघ शिक्षा वर्ग केवल अभ्यास का प्रशिक्षण नहीं है बल्कि यह राष्ट्र निर्माण में सहायक है

शिविर की समग्र व्यवस्था जिला संघचालक श्री रूद्र प्रताप यादव एवं सर्वाधिकारी डॉ. अतुल सिंह के मार्गदर्शन में की गई थी। मंच संचालन से लेकर अतिथि सत्कार, समयबद्धता और अनुशासन तक - प्रत्येक आयाम में संघ की सुदृढ़ संगठनात्मक क्षमता परिलक्षित हुई।। संघ शिक्षा वर्ग संघ की मूलआत्मा का प्रतिबिंब है। यह शिविर केवल शारीरिक प्रशिक्षण नहीं है इससे बौद्धिक एवं शारीरिक मानसिक सभी प्रकार का विकास हुआ है।

जल गंगा संवर्धन अभियान पर केन्द्रित प्रदर्शनी का सरपंचों ने किया अवलोकन

पन्ना। शासन के निर्देशानुसार गत 30 मार्च से प्रारंभ हुए प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में आमजनों की सहभागिता से निरंतर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 30 जून तक संचालित होने वाले इस महत्वाकांक्षी अभियान में प्राचीन जल स्त्रोतों एवं कुएं व बावड़ियों के जीर्णोद्धार कार्य सहित जल संरक्षण के लिए विभिन्न योजनाओं अंतर्गत खेत तालाब निर्माण इत्यादि का कार्य भी ग्रामवासियों के सहयोग से क्रियान्वित हो रहा है। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की जा रही है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में विभिन्न कार्यों को जनसहभागिता से बेहतर रूप में क्रियान्वित करने की कार्ययोजना बनाई गई है। जिले के सभी विकासखण्ड में अभियान के तहत पूर्ण हो चुके एवं प्रगतिरत कार्यों के बारे में आवश्यक जानकारी तथा तकनीकी पहलुओं से अवगत कराने के लिए जिला पंचायत परिसर में अभियान पर केन्द्रित प्रदर्शनी लगाई गई है। आज समस्त विकासखण्ड की ग्राम पंचायतों के लगभग 90 सरपंचो ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के साथ ही निर्माण कार्यों के बारे में नवाचार गतिविधियों और तकनीकों के बारे में जाना। इस दौरान त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को जल की स्वच्छता एवं कचरा के उचित निस्तारण प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों के प्रश्नों का समाधान भी किया गया। इस एक्सपोजर विजिट में सरपंचों को जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए अच्छे कार्यों का महत्व बताया गया। साथ ही अपनी ग्राम पंचायतों में जनउपयोगी एवं उत्कृष्ट कार्यों की बदौलत अलग पहचान स्थापित करने की सलाह भी दी गई। प्रदर्शनी में ग्रामीण क्षेत्र और पंचायतों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रदर्शित किया गया, जिसका सरपंचों के समूह ने अवलोकन किया। इसके अलावा जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक कर अभियान में विभिन्न कार्यों की समय सीमा में पूर्णता तथा इन कार्यों को प्रभावी एवं उपयोगी बनाने के उपायों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार एवं पियूष मिश्रा, जनपद पंचायत सीईओ आनंद शुक्ला एवं सहायक यंत्री रोहित मालवीय भी उपस्थित रहे।

सरकारी बजट का इंतज़ार नहीं, हिनौती ग्राम पंचायत की सरपंच ने बनाया सर्व सुविधा युक्त मॉडल पंचायत भवन

पन्ना। जिले की गुनौर विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हिनौती में सरपंच श्रीमती ममता चौधरी ने एक मिसाल पेश की है. अनुसूचित जाति वर्ग से आने वालीं सरपंच ने सरकारी बजट का इंतजार किए बिना, अपनी दूरदर्शिता और जनसेवा की भावना से प्रेरित होकर, ग्राम पंचायत भवन को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करवाया है।

यह भवन सिर्फ एक ढांचा नहीं, बल्कि ग्राम पंचायत हिनौती के विकास की नई इबारत लिख रहा है. लगभग 9 लाख 56 हजार रुपये की अनुमानित लागत से तैयार हुए इस भवन में वे सभी सुविधाएँ मौजूद हैं, जो आम जनता को अपने कार्यों के लिए दर-दर भटकने से बचाएंगी। भवन में एक सुव्यवस्थित सभाकक्ष है, जहाँ पंचायत की बैठकें और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए जा

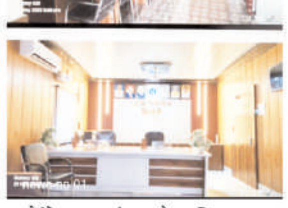

सकेंगे. सरपंच के लिए एक आधुनिक चेंबर बनाया गया है, जिससे वे जनता से आसानी से मिल सकें और उनकी समस्याओं का समाधान कर सकें. आम जनता के लिए आरामदायक वेटिंग रूम की भी व्यवस्था की गई है, जहाँ वे अपने बारी का इंतजार कर सकें.

सबसे खास बात यह है कि इस ग्राम पंचायत भवन को पूरी तरह से कंप्यूटराइज्ड किया गया है. यहाँ सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित होगी. इस पहल से हिनौती के निवासियों को अपने छोटे-मोटे कार्यों के लिए अब अमानगंज तक भटकना नहीं पड़ेगा, जिससे उनके समय और पैसे दोनों की बचत होगी. यह सुविधाएँ हिनौती को जिले की पहली ऐसी ग्राम पंचायत बनाती हैं, जिसने इतनी बेहतरीन तरीके से अपने भवन को तैयार किया है। इस सर्वसुविधायुक्त ग्राम पंचायत भवन के शीघ्र ही लोकार्पण की योजना बनाई जा रही है।

वन विभाग का चौकीदार हुआ लापता, परिवार ने पुलिस कोतवाली थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट कराई दर्ज

पन्ना। उत्तर वन मंडल पन्ना परिक्षेत्र में कार्यरत चौकीदार संतोष कुमार शर्मा पिता मोतीलाल शर्मा उम्र 48 वर्ष अचानक लापता गया है परिवार वालों मामले की रिपोर्ट पन्ना कोतवाली थाना में में दर्ज कराई है जिसमें पुलिस द्वारा गुम इंसान कायम कर लिया गया है एवं तलाश की जा रही है एवं परिवार वालों द्वारा सगे संबंधी परिजनों, पड़ोसियों से पूछताछ की जा रही

है पर चौकीदार संतोष कुमार शर्मा का कहीं पता नहीं चल रहा है

घटना के संबंध में संतोष शर्मा के पुत्र अभिलाष शर्मा ने बताया कि पिताजी दिनांक 31 मई 2025 को शाम 7:30 बजे दूध देने घर से निकले थे एवं रात को जब घर नहीं आए तो उनको फोन लगाया गया और उनका फोन स्विच ऑफ रहा एवं रात में भी तलाश की गई और सुबह जहां दूध देने गए थे वहां पर भी पूछताछ की डेरी में भी पूछताछ की एवं सभी संबंधियों से भी पूछताछ की पर कहीं पता नहीं चला करीब 24 घंटे गुजर गए हैं पर लापता संतोष शर्मा का कहीं पता नहीं चल रहा है।

मुख्यमंत्री की घोषणा अनुरूप विकास कार्यों का होगा क्रियान्वयन

विधायक के प्रयासों से मिली सौगात, धरमपुर बनेगी तहसील

पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादन ने छत्रसाल जयंती पर गत 29 मई को पन्ना प्रवास के दौरान शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर पन्ना विधानसभा के लिए महत्वपूर्ण जनहितैषी घोषणाएं कीं। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह के प्रयासों की बदौलत विभिन्न विकास कार्यों की सौगात मिलने पर क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री और पूर्व मंत्री का आभार जताया है। स्थानीय विधायक द्वारा भी मुख्यमंत्री का आभार माना गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना आगमन पर मेडिकल कॉलेज के शीघ्र भूमिपूजन तथा श्री जुगल किशोर लोक निर्माण का भूमिपूजन कर सर्वसुविधायुक्त लोक बनने से नगर में समृद्धि आने की बात कही। पन्ना की 200 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक रथ यात्रा को भी धर्मस्व विभाग में शामिल कराने तथा छत्रसाल जयंती को भव्यता प्रदान करने एवं बुंदेलखण्ड केसरी महाराजा छत्रसाल की जीवनी को स्कूल एवं कॉलेज के पाठ्यक्रम में शामिल करने की घोषणा भी उन्होंने की। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने श्री जुगल किशोर महालोक में नगर के अन्य मंदिरों को शामिल कर इसके बजट में बढ़ोत्तरी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अजयगढ़ के उन्नयन, चंदेलकालीन तालाबों को पुनर्जीवित करने का कार्य शुरू करने, आवश्यक धनराशि से छत्रसाल स्टेडियम का कार्य शीघ्र पूर्ण करवाने, बृजपुर में नवीन शासकीय महाविद्यालय प्रारंभ करने की घोषणा भी की। साथ ही आगामी समय में राज्य पुर्नगठन आयोग की अनुशंसा पर धरमपुर को तहसील बनाने का भरोसा भी दिया।

चित्रगुप्त मंदिर में कायस्थ समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

पन्ना। कायस्थ समाज पन्ना द्वारा आयोजित प्रतिभा प्रोत् साहन कार्यक्रम का आयो जन अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामयी वातावरण में भगवान चित्रगुप्त मंदिर पन्ना में सम्पन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भगवान श्री चित्रगुप्त की वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में कायस्थ समाज के पूर्व संरक्षक श्री पी एन खरे एवं अध्यक्ष श्री बिंदु खरे रहे ।आमंत्रित अतिथि अशोक सक्सेना एडवोकेट डॉ पुनीत खरे हरनाम सिंह खरे विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में बोर्ड परीक्षाओं की कक्षा 10वीं, 12वीं में उत्कृष्ट अंक

प्राप्त करने वाले छात्रों को शील्ड, प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने वाले होनहार विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कायस्थ समाज के होनहार युवा कौशलेन्द्र खरे पिता जय प्रकाश खरे जिन्होंने लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी विषय से उत्तीर्ण की उन्हें भी सम्मानित किया गया है कार्यक्रम में जिन छात्रों को सम्मानित किया गया उनमे कायस्थ समाज के अलावा अन्य समाज के छात्र छात्राओं में कक्षा 12वीं में रंजीत पटेल 97.2% प्रदेश में चौथा स्थान कु. चंचल विश्वकर्मा 96.2% प्रदेश में नोवा स्थान इसी प्रकार कक्षा 10वीं में कु. प्रिया पटेल 98.8% प्रदेश में सातवाँ स्थान कु. ओशी जैन 98.4 प्रदेश में नोवां स्थान तथा महेन्द्र यादव 98.4% प्रदेश में नोवां स्थान प्राप्त किया है उनको भी मंच पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कायस्थ समाज के उपाध्यक्ष एवं सांस्कृतिक एवं शैक्षिक समिति के प्रभारी सेवानिवृत शिक्षक रामेश्वर प्रसाद खरे ने किया और कार्यक्रम में अधीर खरे अनंत मोहन खरे प्रशांत खरे अभिषेक खरे सचिव दिनेश श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष तरुण खरे अवधेश श्रीवास्तव दिनेश खरे संदीप श्रीवास्तव गोपाल खरे सीमा खरे संगीता खरे वेद प्रकाश खरे पंकज बकशी ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनीष मेघना खरे द्वारा अपने पिता स्व राजेंद्र प्रसाद खरे प्राचार्य डाइट पन्ना की स्मृति में, इला अनंत मोहन खरे द्वारा डॉ प्रवीण खरे की स्मृति में राशि धीरज ऋषि मेडिकोज कविता संजय खरे द्वारा सभी प्रतिभागियों शील्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । समस्त प्रकार छायांकन कार्य सीमांत खरे द्वारा किया गया अंत में सभी उपस्थितजनों को अभिषेक खरे सचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, बुधवार 08 जून 2025

पर्यावरणीय संरक्षण एवं हरित आवरण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर पालिक निगम, रीवा द्वारा 'वूमेन फॉर ट्री' अभियान के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों को वृक्षारोपण विषयक विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान से हर किसान को जोड़ें

जल संरक्षण के कार्यों में भागीदारी अनिवार्य रूप से निभाएं : कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने विभागीय कार्यों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान में सभी जिलों में तीन-तीन दल ग्राम पंचायतों का भ्रमण करके किसानों को खेती की आधुनिक तकनीक से परिचित करा रहे हैं। मैदानी कर्मचारियों तथा ग्राम पंचायत के सहयोग से विकसित कृषि संकल्प अभियान से हर किसान को जोड़ें। कृषि विशेषज्ञ किसान के पास स्वयं पहुंचकर खेती की आधुनिक तकनीक और कृषि, पशुपालन, मछलीपालन तथा उद्यानिकी विभाग की योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें इसके लिए समन्वित प्रयास करें। अभियान के तहत विभिन्न विभागों द्वारा पात्र किसानों का मौके पर ही आवेदन लेकर विभिन्न योजनाओं के लिए पंजीयन भी किया जा रहा है।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान भावी पीढ़ी को सुरक्षित रखने का अभियान है। शासन के इस महत्वपूर्ण अभियान में हर अधिकारी भागीदारी निभाकर योगदान दे। संभागीय दल में शामिल सभी अधिकारी सप्ताह में दो दिन क्षेत्र का भ्रमण करके जल गंगा संवर्धन अभियान की मानीटरिंग करें और जल संरक्षण कार्य में श्रमदान करें। भ्रमण के दौरान अन्य विभागों की योजनाओं अथवा जन समस्याओं से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचना मिलने पर तत्काल अवगत कराएं। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन के बाद अभी चार प्रतिशत गेंहू का संभाग में परिवहन शेष है। इसका दो दिवस में सुरक्षित भण्डारण कराकर शेष किसानों को लंबित राशि का भुगतान कराएं। शासन द्वारा उचित मूल्य की दुकानों से वितरण के लिए तीन माह का खाद्यान्न एक साथ आवंटित किया गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम आवंटित खाद्यान्न का एक सप्ताह में उठाव करके दुकानों में भण्डारण कराएं। खाद्यान्न वितरण के समय शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन भी अनिवार्य रूप से कराएं। शासन ने इसके लिए समय सीमा को 15 जून तक बढ़ा दिया है। कमिश्नर ने कहा कि 31 मई तक सेवानिवृत्त हुए 52 शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण अभी लंबित हैं। संबंधित अधिकारी 7 दिवस में पेंशन प्रकरण अनिवार्य रूप से पेंशन कार्यालय में दर्ज कराएं। शिक्षा, गृह, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा तथा राजस्व विभाग पेंशन प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। पीएचई, गृह, स्वास्थ्य ऊर्जा, राजस्व तथा श्रम विभाग में लंबित प्रकरणों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। बैठक में कमिश्नर ने महाप्रबंधक उद्योग को स्वरोजगार के प्रकरणों तथा औद्योगिक विकास केन्द्रों की गतिविधियों के विवरण देने के निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त राजस्व श्रेयस गोखले, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा आरपी सिंह, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा, संयुक्त संचालक पेंशन एमएस पैकरा तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आज आएंगे गंगेव

कमिश्नर, आईजी, डीआईजी और कलेक्टर ने लिया तैयारियों का जायजा

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 4 जून को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा जिले के मनगवां विधानसभा क्षेत्र के गंगेव आ रहे हैं। मुख्यमंत्री गंगेव स्टेडियम में आयोजित महिला स्वसहायता समूह सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों का वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति के मिट्टी के बर्तन बनाने वाले परंपरागत शिल्पियों को बिजली से चलने वाले चाक प्रदान करेंगे। सम्मेलन दोपहर 3 बजे आरंभ होगा। विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति, रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी राजेश सिंह तथा कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने दौरे की तैयारियों का मौके पर जायजा लिया। अधिकारियों ने हेलीपैड स्थल तथा मुख्य कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि महिला स्वसहायता समूह सशक्तिकरण सम्मेलन में शामिल होने वाले हितग्राहियों के बैठने की सेक्टरवार व्यवस्था करें। हितलाभ वितरण वाले हितग्राहियों को मंच के समीप बैठने के लिए स्थान सुरक्षित करें। पंडाल के प्रत्येक सेक्टर में कार्यपालन यंत्री पीएचई और नगरीय निकाय मिलकर पेयजल की समुचित व्यवस्था करें। प्रत्येक सेक्टर में एक अधिकारी और कर्मचारी पेयजल की आपूर्ति के लिए तैनात रखें। सभी सेक्टर में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारी कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए समुचित प्रबंध करें। कमिश्नर ने अधिकारियों को मंच व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा साउंड व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर जनपद पंचायत गंगेव के अध्यक्ष श्री विकास तिवारी आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, प्रभारी पुलिस अधीक्षक विवेक लाल तथा प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धान की रोपाई के लिए सबसे सफल है आटोमेटिक धान रोपाई यंत्र

रीवा। रीवा संभाग के रीवा और सतना जिलों में धान का विपुल उत्पादन होता है। संभाग के अन्य जिलों में भी धान की बड़े पैमाने पर खेती की जाती है। धान की खेती के लिए किसान मुख्य रूप से रोपाई का उपयोग किया जा रहा है। छिटवा धान की खेती का क्षेत्र बहुत कम हो गया है। धान की रोपाई के लिए बड़ी संख्या में कुशल और परिश्रमी मजदूरों की आवश्यकता होती है। धान का रोपा तैयार करने के बाद उसे 21 दिन में नर्सरी से निकालकर खेत में रोपाई करना आवश्यक होता है। सभी किसानों को लगभग एक समय ही बड़ी संख्या में मजदूरों की आवश्यकता होने से पर्याप्त मजदूर मिलना कठिन हो जाता है। रोपाई में देरी से भी धान के उत्पादन में गिरावट आती है। इस समस्या का कारगर समाधान आटोमेटिक धान रोपाई यंत्र है। इसे ट्रैक्टर से जोड़कर आसान से चलाया जा सकता है। इससे रोपाई करने पर कतार से कतार और पौधे से पौधे की दूरी तय रहती है। कतार से पौधे रोपित होने पर कोनाबीडर अथवा अन्य उपकरणों के उपयोग से फसल से खरपतवार निकालने में सहूलियत होती है। आटोमेटिक धान रोपाई यंत्र से एक साथ आठ कतारों में पौधों का रोपण होता है। रोपाई के लिए धान के पौधे चटाईनुमा तकनीक से तैयार किए जाते हैं। एक हेक्टेयर में रोपाई के लिए 100 वर्गमीटर की नर्सरी आवश्यक होती है। नर्सरी में गोबर की खाद तथा भुरभुरी मिट्टी में धान के पौधे तैयार किए जाते हैं। रोपाई के लिए इन्हें निश्चित मात्रा में रोपाई यंत्र की प्लेट पर रखा जाता है।

भूमि अर्जन और पुनर्वासन संबंधी जनसुनवाई 5 जून को

रीवा। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग हुजूर कार्यालय में 5 जून को सुबह 10 बजे से सार्वजनिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया है। यह जनसुनवाई तहसील हुजूर में ढेकहा तिराहे पर जक्शन इम्प्रूवमेंट एवं सड़क निर्माण के लिए भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का 30) की धारा-5 के तहत की जा रही है। एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने क्षेत्र के हितबद्ध व्यक्तियों से सार्वजनिक जनसुनवाई में निर्धारित स्थान व समय में उपस्थित होने की अपेक्षा की है।

मुख्यमंत्री गंगेव में महिला स्वसहायता समूहों के सम्मेलन में होंगे शामिल

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 4 जून को रीवा जिले के मनगवां विधानसभा क्षेत्र के गंगेव आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव रीवा के गंगेव में आयोजित महिला स्वसहायता समूह के सशक्तिकरण सम्मेलन में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ यादव सुबह 11.55 बजे भोपाल से वायुयान से प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे डुमना एयरपोर्ट जबलपुर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री जबलपुर से हेलीकाप्टर द्वारा दोपहर 12.35 बजे प्रस्थान कर 1.30 बजे उमरिया जिले के पाली पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे पाली से हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर दोपहर बाद 3.45 बजे हेलीपैड गंगेव पहुंचेंगे।

मुख्यमंत्री गंगेव स्टेडियम में आयोजित विशाल महिला स्वसहायता समूह सशक्तिकरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर कन्या पूजन और दीप प्रज्वलन कर महिला स्वसहायता समूहों के सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विद्युत चलित शैलाचाक से निर्मित मिट्टी के बर्तनों का अवलोकन एवं वितरण कर हितग्राहियों से चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में अतिथियों के स्वागत के बाद मनगवां विधायक श्री नरेन्द्र प्रजापति स्वागत उद्बोधन देंगे। इसके बाद सांसद श्री जनार्दन मिश्र का उद्बोधन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ यादव विकास कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री और रीवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल का उद्बोधन होगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आजीविका उन्नयन के द्वारा आर्थिक रूप सशक्त हुई स्वसहायता समूहों की महिलाओं से संवाद करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में इसके बाद मुख्यमंत्री हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण करेंगे। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन से होगा।

जिले के प्रभारी मंत्री आज आएंगे रीवा

महिला स्वसहायता समूह सम्मेलन में होंगे शामिल

रीवा

पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री और रीवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल 4 जून को रीवा आएंगे। प्रभारी मंत्री श्री पटेल उमरिया से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ दोपहर 3 बजे हेलीकाप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 3.45 बजे गंगेव हेलीपैड पहुंचेंगे और मनगवां विधानसभा क्षेत्र गंगेव स्टेडियम में आयोजित महिला स्वसहायता समूह सशक्तिकरण सम्मेलन में मुख्यमंत्री जी के साथ शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद मंत्री श्री पटेल मुख्यमंत्री डॉ यादव के साथ शाम 5.45 बजे मनगवां से प्रस्थान कर शाम 6 बजे रीवा आएंगे और शाम 6.10 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

जलभराव की समस्या पर सख्त हुए निगम आयुक्त, भ्रमण कर नालों का किया निरीक्षण

रीवा। आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने शहर के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 15, 16, 24 एवं 25 के अंतर्गत आने वाले प्रमुख नालों की स्थिति का जायजा लिया गया। निगमायुक्त ने आचार्य नगर के पास स्थित नाले का मौके पर सीमांकन का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने विहान हॉस्पिटल के पीछे, बाल न्यायालय के समीप, तिवारी होटल के सामने, तथा फूलमती नाले का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारी को सभी नालों की शीघ्र सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, वहीं राजस्व विभाग को सीमांकन कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा। साथ ही, नालों का अतिक्रमण हटाकर पक्के नाले निर्माण की योजना तैयार करने के भी निर्देश दिए, ताकि आने वाले समय में जलभराव की समस्या से स्थायी राहत मिल सके। इसके साथ ही निगम आयुक्त ने झिरिया नाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नाले में बने पुराने पुल के मलबे को हटाने तथा मशीन के माध्यम से नाले की सफाई कराने के निर्देश दिए, ताकि जलप्रवाह अवरुद्ध न हो। साथ ही नाले के किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को दो दिवस के भीतर हटाने के भी स्पष्ट निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उक्त निरीक्षण के दौरान राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार श्री यतीश शुक्ला एवं पटवारी, नगर निगम सहायक यंत्री श्री अम्बरीश सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी श्री बालगोविन्द्र चतुर्वेदी, राजस्व अधिकारी श्री रावेन्द्र सिंह, उपयंत्री श्री शुभम तिवारी, जनप्रतिनिधि श्री अशोक पटेल, एवं राजस्व दल मौजूद रहा।

उप मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा

रीवा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 4 जून को सुबह 8.30 बजे भोपाल एयरपोर्ट से प्रस्थान कर सुबह 10.20 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचेंगे और निज निवास के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके बाद उप मुख्यमंत्री दोपहर 2.30 बजे गंगेव विधानसभा क्षेत्र में गंगेव स्टेडियम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित महिला स्वसहायता समूह सशक्तिकरण सम्मेलन में शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री शाम 5.45 बजे मनगवां से प्रस्थान कर शाम 6.15 बजे रीवा आएंगे और शाम 7.55 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

मुख्यमंत्री 49.97 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों का करेंगे शिलान्यास और लोकार्पण

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मनगवां विधानसभा क्षेत्र में आयोजित महिला स्वसहायता समूह सशक्तिकरण समारोह में 49 करोड़ 97 लाख रुपए के कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव 29 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत के 6 निर्माण कार्यों का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री मनगवां विधानसभा क्षेत्र में 10 उप स्वास्थ्य केन्द्र भवनों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास करेंगे। इनमें उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन भदावल, छत्रगढ़, कोट, हकरिया, अमहा, बेलवा पैकान, घोपी, जोरौट, परासी तथा रक्सामाजन शामिल हैं। इनकी कुल लागत 6 करोड़ 50 लाख रुपए है। प्रत्येक उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन के लिए 65 लाख रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत 6 करोड़ 16 लाख रुपए की लागत से बनाए जाने वाले 11 अमृत सरोवर, एक करोड़ पाँच लाख रुपए की लागत से बनाए जाने वाले 7 सामुदायिक पार्क और एक करोड़ 25 लाख रुपए की लागत से बनाए जाने वाले 5 सामुदायिक भवनों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री 4 करोड़ 48 लाख रुपए की लागत से बनने वाली जोधपुर नम्बर एक से मुरली पहुंचमार्ग और 9 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से बनाए जाने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगेव के 50 बिस्तरीय भवन निर्माण कार्य का भी शिलान्यास करेंगे। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ यादव 20 करोड़ 58 लाख रुपए की लागत के 2 निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। मनगवां विधानसभा क्षेत्र में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक सात के तिवनी जंक्शन मनगवां में भूतल परिवहन मंत्रालय के ईपीसी योजना अन्तर्गत छ: लेन के ओव्हर ब्रिज का लोकार्पण करेंगे। इसका निर्माण में 14 करोड़ 85 लाख रुपए में कराया गया है। वहीं मनगवां में 6 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का उन्नयन 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में किया गया है। इसके उन्नयन में 5 करोड़ 73 लाख रुपए खर्च किए गए हैं।

जनसुनवाई में 86 आवेदकों की सुनीं गई समस्यायें

रीवा। कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रति सप्ताह आयोजित होने वाली जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने 86 आवेदकों की समस्यायें सुनीं तथा संबंधित आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय ने भी जनसुनवाई की।

जनसुनवाई में तिघरा निवासी बालमीक शुक्ला के सीमांकन कराने, बरा 396 के रामगोपाल मिश्रा के खसरा सुधार कराने, लौवा निवासी नंदकिशोर कुशवाहा के पुन: सीमांकन कराने तथा रौरा निवासी महेन्द्र कुमार के नामांतरण कारक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। इसी प्रकार पाती निवासी रामनिवास यादव ने सड़क दुर्घटना में मृत पत्नी के आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करने के आवेदन को तहसीलदार हुजूर को कार्यवाही करने हेतु प्रेषित किया गया। गणेश प्रसाद विश्वकर्मा निवासी अमवा के भूमि अतिक्रमण मुक्ति कराने के आवेदन को एसडीएम मनगवां को, गहिलवार निवासी प्रदीप कुमार मिश्रा के नक्शा संशोधन के आवेदन को नायब तहसीलदार डभौरा को तथा बीड़ा निवासी श्रीमती रामदुलारी के अवरूद्ध रास्ता को खुलवाने के आवेदन को तहसीलदार सेमरिया को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

जनसुनवाई में महमूदपुर के जगदीश प्रसाद मिश्रा तथा भेलौड़ी निवासी नागेन्द्र शुक्ला के भूमि अधिग्रहण का मुआवजा दिलाने के आवेदनों को सिंचाई विभाग को तथा नदना निवासी शंकर प्रसाद पाण्डेय के खाद्यान्न दिलाने के आवेदन पर खाद्य अधिकारी को कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। इसी क्रम में शांति देवी सेमरिया निवासी के परिवार पेंशन प्रदाय करने के आवेदन पर पेंशन अधिकारी को तथा छोटेलाल तिवारी निवासी छत्रपति नगर के नाली निर्माण के आवेदन को आयुक्त नगर निगम को प्रेषित किया गया। पुष्पराज पटेल एवं ग्रामवासी कुंइया के स्थगन के बाद भी निर्माण कार्य पर रोक लगाने के आवेदकों सीईओ जिला पंचायत को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833